हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

धनबाद, शुक्रवार
06 मार्च 2026
वर्ष : 03 अंक : 154
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

आध्यात्मिक पुनरुत्थान ही सभ्यता का पुनर्जागरणः उपराष्ट्रपति

बेलगावी, 05 मार्च (हि.स.)। कर्नाटक राज्य के बेलगावी ज़िले के येदूर स्थित श्री वीरभद्रेश्वर मंदिर में राजगोपुरम, कलशारोहण और महाकुंभाभिषेक समारोह का उद्घाटन पूरी श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने इसे आध्यात्मिक पुनरुत्थान और सभ्यता के पुनर्जागरण का महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने वीर-शैव लिंगायत परंपरा की समृद्ध विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि इस परंपरा ने आध्यात्मिक, शैक्षणिक और सामाजिक उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारत की आध्यात्मिक दृष्टि प्रकृति और प्रत्येक मानव में दिव्यता को देखने की प्रेरणा देती है, जो हमारी संस्कृति की विशेषता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश का विकास और उसकी परंपरा एक-दूसरे के पूरक होने चाहिए। पवित्र स्थलों का पुनरुद्धार सांस्कृतिक आत्मविश्वास और आध्यात्मिक चेतना को पुनर्स्थापित करने का माध्यम है। समारोह में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति, मठाधीश, जनप्रतिनिधि और हजारों श्रद्धालु उपस्थित थे।

बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस का इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने इस्तीफा दे दिया है। लोक भवन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले ये अहम घटनाक्रम सामने आया है। इस्तीफा देने के बाद बोस ने मीडिया से कहा कि मैंने काफी समय गवर्नर ऑफिस में बिता लिया है। बता दें कि सीवी आनंद बोस बंगाल में राज्यपाल के तौर पर करीब साढ़े तीन साल बिता चुके हैं।

महायुद्ध अब हिंद महासागर तक पहुंचा, राहुल गांधी ने सरकार को घेरा

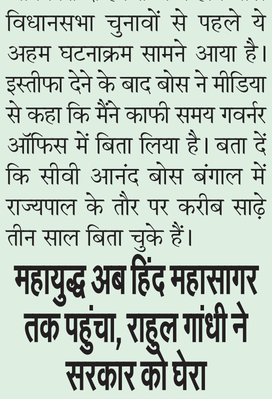

नई दिल्ली,(एजेंसी) : ईरान पर इजराइल और अमेरिका के हमले जारी हैं। वहीं ईरान भी इजराइल और अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर लगातार हमले कर रहा है। यह महायुद्ध अब हिंद महासागर तक पहुंच गया है। हिंद महासागर में अमेरिका ने ईरान के युद्धपोत को निशाना बनाया है, जिसमें 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। मिडिल ईस्ट इस वक्त युद्ध की पीड़ा झेल रहा है, जिसकी आहट भारत में भी महसूस होने लगी है। भारत का सियासी पारा चढ़ गया है। कांग्रेस ने इस मामले में पीएम मोदी को घेरा।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने कहा है कि भारत की तेल सप्लाई खतरे में है, हमारा 40फीसदी से ज्यादा इम्पोर्ट स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होकर गुजरता है। एलपीजी और एलएनजी के लिए हालत और भी खराब हैं। ऐसे समय में हमें एक मजबूत हाथ की जरूरत है, लेकिन भारत के पास एक समझौता करने वाला पीएम है जिसने हमारी स्ट्रेटेजिक आजादी को छोड़ दिया है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि विश्व एक अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुका है। समुद्री क्षेत्र में बड़ी चुनौतियां सामने खड़ी हैं। भारत की तेल आपूर्ति खतरे में है।उन्होंने कहा कि हिंद महासागर में एक ईरानी युद्धपोत के डूबने से संघर्ष भारत की दहलीज तक पहुंच गया, लेकिन पीएम मोदी ने कोई टिप्पणी नहीं की।

भारत-फिनलैंड व्यापार करेंगे दोगुना, डिजिटल और शहरी समाधान में करेंगे सहयोग

नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारत और फिनलैंड ने अपनी दूरसंचार सेवाओं, डाटा विश्लेषण, क्वांटम कंपयुटिंग और एआई के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने तथा चक्रीय अर्थव्यवस्था एवं सतत शहरी समाधान तलाशने के लिए अपनी साझेदारी को मजबूत करने का फैसला किया है।

दोनों देश डिजिटलीकरण और स्थिरता में रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति हुए हैं। दोनों देश 2030 तक अपने व्यापार को दोगुना करेंगे। फिनलैंड भारतीय कौशल को अपने यहां अवसर मुहैया कराएगा। इसके साथ ही भारतीय स्टार्टअप को भी अवसर प्रदान करेगा। इस साल दोनों देश मिलकर भारत में विश्व सर्कुलर अर्थव्यस्था फोरम का आयोजन करेंगे।दोनों देशों के बीच गुरुवार को हुई द्विपक्षीय वार्ता में 11 बिन्दुओं पर सहमति बनी है। इसमें स्टार्टअप सहयोग, 6जी व डिजिटलाइजेशन पर अलग-अलग संयुक्त कार्यबल, डिजिटल व पर्यावरण से जुड़े विषयों पर संयुक्त शोध, सांख्यिकी तथा पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग और आवाजाही संबंधी मामलों पर काउंसलर डॉयलॉग की स्थापना का निर्णय लिया गया है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के बीच आज नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में व्यापक विषयों पर द्विपक्षीय वार्ता हुई। वार्ता के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इसे यह साझा प्रगति और समृद्धि के लिए साझेदारी का निर्माण की संज्ञा दी। उन्होंने बताया कि एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दोनों नेताओं ने भारत-फिनलैंड संबंधों को ह्यडिजिटलीकरण और स्थिरता में रणनीतिक साझेदारीह्न के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, डिजिटलीकरण और स्थिरता, स्वच्छ ऊर्जा और चक्रीय अर्थव्यवस्था, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिज, शिक्षा और नवाचार, एआई, 6जी, क्वांटम कंप्यूटिंग सहित प्रौद्योगिकी और गतिशीलता तथा जन-संबंधों के क्षेत्रों में सहयोग को व्यापक और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।प्रवक्ता ने कहा कि दोनों नेताओं ने आतंकवाद के सभी रूपों को समाप्त करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक चिंताओं से संबंधित मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने बहुपक्षीय मंचों पर भी सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। नेताओं ने हाल ही में संपन्न भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) द्वारा व्यापार, निवेश, निर्यात, रोजगार और विनिर्माण साझेदारी के लिए खोले गए नए अवसरों का लाभ उठाने पर सहमति व्यक्त की।

अमित शाह आज ओडिशा में सीआईएसएफ के स्थापना दिवस समारोह में होंगे शामिल

नई दिल्ली, : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को ओडिशा के मुंडली में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करेंगे।

गृह मंत्रालय के अनुसार अमित शाह इस अवसर पर भुवनेश्वर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के नए परिसर का भूमिपूजन करेंगे और इसकी आधारशिला रखेंगे। इसके साथ ही वह एनएफएसयू के ट्रांजिट परिसर का वर्चुअल उद्घाटन भी करेंगे। गृह मंत्री एनएफएसयू परिसर के निकट स्थित केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) भुवनेश्वर का भी भूमिपूजन करेंगे।

कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय गृह सचिव, एनएफएसयू के संस्थापक कुलपति और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे।

इस दौरान शाह गृह मंत्रालय की विभिन्न पहलों के अंतर्गत पुलिस अवसंरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कई पुलिस स्टेशन भवनों का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे तथा कई पुलिस स्टेशनों में कमांड एवं नियंत्रण और अन्य सुविधाओं का भी उद्घाटन करेंगे।

इसके अतिरिक्त भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर भी किए जाएंगे।एनएफएसयू का भुवनेश्वर कैंपस राज्य में फोरेंसिक और जांच से जुड़े बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ओडिशा सरकार द्वारा आवंटित 40 एकड़ भूमि पर बनने वाले इस स्थायी परिसर को फोरेंसिक और संबद्ध विज्ञानों के उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

एनएफएसयू का यह अस्थायी परिसर तीन शैक्षणिक कार्यक्रमों– एमएससी फॉरेंसिक साइंस, एमएससी डिजिटल फॉरेंसिक्स और सूचना सुरक्षा तथा एलएलएम साइबर कानून एवं साइबर अपराध जांच के साथ अपना संचालन शुरू कर रहा है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पैतृक गांव नेमरा में बाहा पर्व में लिया भाग, जाहेर थान में की पूजा-अर्चना

रामगढ़, (एजेंसी) : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को सपरिवार अपने पैतृक गांव नेमरा में आयोजित पारंपरिक ह्यबाहा पर्वह्न में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों के साथ नेमरा गांव स्थित जाहेर थान पहुंचकर पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और राज्यवासियों की सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उन्नति की कामना की।

परंपरा के अनुसार, पूजन कार्य गांव के नाइके बाबा (पाहन) चैतन टुडू और कुडम नाइके बाबा (उप पाहन) छोटू बेसरा ने संपन्न कराया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ग्रामीणों के साथ अपने आवास से पदयात्रा करते हुए बाहा पूजा के लिए जाहेर थान पहुंचे।

मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर ग्रामीणों में उत्साह हर वर्ष की तरह इस बार भी मुख्यमंत्री बाहा पर्व में शामिल होने अपने पैतृक गांव नेमरा पहुंचे। उन्हें अपने बीच पाकर नेमरा और आसपास के क्षेत्रों के लोग काफी उत्साहित नजर आए। पारंपरिक संस्कृति के अनुरूप ग्रामीण ढोल-नगाड़ा और मांदर बजाते हुए मुख्यमंत्री के साथ जाहेर थान तक पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भी स्वयं मांदर बजाकर ग्रामीणों का उत्साहवर्धन किया। उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया। सपरिवार पहुंचे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी धर्मपत्नी और विधायक कल्पना सोरेन सहित सपरिवार दो दिवसीय दौरे पर नेमरा पहुंचे हैं। उनके आगमन की सूचना मिलते ही आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग गांव पहुंचे और उनसे मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने भी आत्मीयता के साथ लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सभी को बाहा पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

भारत लगातार दूसरे टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में, रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को हराया

मुंबई (एजेंसी) : मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में जारी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत से मिले 254 के लक्ष्य का पीछा कर रही इंग्लैंड ने पांच विकेट गंवा दिए हैं. अक्षर पटेल ने दो जबरदस्त कैच लपके हैं. इंग्लैंड के लिए जैकब बेथेल क्रीज पर हैं और वो इंग्लैंड को रन चेज में बनाए हुए हैं. भारत के लिए वरुण. हार्दिक. बुमराह, अर्शदीपर और अक्षर ने 1-1 विकेट निकाला है.

संजू सैमसन, शिवम दुबे की तूफानी पारी और फिर अंत में हार्दिक पांड्या के फिनिशंग टच के दम पर भारत ने जारी टी20 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में 7 विकेट के नुकसान पर 253 रन बनाए हैं और इंग्लैंड को जीत के लिए 254 का लक्ष्य दिया है. टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरूआत खराब हुई थी. लेकिन फिर संजू सैमसन और ईशान किशन का तूफान आया. दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 45 गेंद में 97 रनों की साझेदारी की. संजू ने 42 गेंद में 8 चौके और 7 छक्कों के दम पर 89 रन बनाकर आउट हुए. उनके अलावा शिवम दुबे ने 25 में 43, हार्दिक ने 12 में 27, तिलक ने 27 में 21 रन बनाए. यह टी20 वर्ल्ड कप के नॉकआउट में किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है. जबकि टी20 वर्ल्ड कप का चौथा सबसे बड़ा टोटल. इससे पहले, इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने भारत के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है. टीम इंडिया जहां किसी बदलाव के उतरी है तो इंग्लैंड ने एक बदलाव किया है. आज के मुकाबले की विजेता टीम फाइनल में अहमदाबाद में न्यूजीलैंड का सामना करेगी.

ऐसी हैं दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

भारत प्लेइंग इलेवनः अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह

इंग्लैंड प्लेइंग इलेवनः फिलिप साल्ट, जोस बटलर (विकेटकीपर), हैरी ब्रूक (कप्तान), जैकब बेथेल, टॉम बैंटन, सैम कुरेन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, लियाम डॉसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद

संघ प्रमुख मोहन भागवत बोले: धर्म जोड़ने का कार्य करता है, तोड़ने का नहीं

जेतलपुर स्वामिनारायण मंदिर के द्विशताब्दी महोत्सव में दिया एकता, धर्म और राष्ट्रहित का संदेश

अहमदाबाद (एजेंसी) : शहर के निकट स्थित जेतलपुर स्वामिनारायण मंदिर में भगवान स्वामिनारायण के आगमन के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भव्य द्विशताब्दी महोत्सव का आयोजन किया गया। यह महोत्सव आचार्य प.पू. 108 व्रजेन्द्रप्रसादजी महाराज की अध्यक्षता में आयोजित हुआ, जिसमें देशभर से संत-महंतों और हजारों हरिभक्तों ने भाग लिया। द्विशताब्दी महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ नरनारायणदेव गादी के पीठाधीपति प.पू. ध.धू. 1008 आचार्य कोशलेन्द्रप्रसादजी महाराज भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा, ह्लहम जो कार्य पिछले 100 वर्षों से कर रहे हैं, वही कार्य स्वामिनारायण भगवान और उनका संप्रदाय पिछले 200 वर्षों से कर रहा है।ह्व उन्होंने स्वयं को यहां ह्यजूनियरह्न के रूप में ह्यसीनियरह्न से मिलने आया हुआ बताया। उन्होंने कहा कि ह्लजो धर्म का पालन करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है। जीवन में उपासना और साधना अत्यंत आवश्यक है।ह्व केवल सपने देखने से कुछ नहीं होता, बल्कि आचरण से ही परिवर्तन संभव है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि धर्म जोड़ने का कार्य करता है, तोड़ने का नहीं।

भागवत ने सामाजिक समरसता पर बल देते हुए कहा कि सभी मनुष्य ईश्वर की रचना हैं, फिर ऊंच-नीच का भेद कैसा? यदि हम इन मूल्यों को अपनाएं तो सनातन धर्म की रक्षा संभव है। उन्होंने कहा कि विश्व की अनेक समस्याओं का समाधान भारत के पास है और अंततः विश्व को मार्गदर्शन भारत से ही मिलेगा। अपने संबोधन में उन्होंने गुजरात में चल रही व्यसनमुक्ति और सेवा गतिविधियों की भी सराहना की। आध्यात्मिक संदर्भ में उन्होंने कहा, ह्लऐसा कोई अक्षर नहीं जिसका मंत्र में उपयोग न हुआ हो, अर्थात सृष्टि के प्रत्येक अंश में दिव्यता विद्यमान है। उन्होंने निष्कर्ष में कहा कि भले ही धर्म के मार्ग अलग-अलग हों, लेकिन सबका अंतिम लक्ष्य एक ही है–ह्यसनातनह्न। समाज और राष्ट्रहित में सभी को मिलकर आगे बढ़ना चाहिए।इतिहास के अनुसार भगवान स्वामिनारायण ने स्वयं अपने हस्तों से कुल नौ मंदिरों की स्थापना की थी। इनमें पांचवें क्रम पर जेतलपुरधाम में उन्होंने रेवतीबलदेवजी और हरिकृष्ण महाराज की प्राणप्रतिष्ठा की थी। इसी ऐतिहासिक घटना के 200 वर्ष पूर्ण होने पर यह विराट आयोजन किया गया। महोत्सव को भव्य स्वरूप देने के लिए जेतलपुर में लगभग 500 विघा क्षेत्र में एक पूरा नगर बसाया गया है। 25 विघा क्षेत्र में विशाल धर्मशाला का निर्माण किया गया है, जबकि 50 विघा क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों के लिए 15 विशाल डोम तैयार किए गए हैं।

गुजरात में भूकंप के झटकों से दहशत, चार घंटे में तीन बार हिली धरती

दाहोद, कच्छ और बोटाद जिलों में महसूस हुए झटके; किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं

अहमदाबाद,(एजेंसी) : गुजरात में गुरुवार को भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत का माहौल बन गया। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में महज चार घंटे के भीतर तीन बार धरती हिलने से लोग घरों से बाहर निकल आए। हालांकि राहत की बात यह रही कि इन झटकों की तीव्रता ज्यादा नहीं थी और कहीं से भी जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

जानकारी अनुसार भूकंप के झटकों का सिलसिला सुबह दाहोद जिले से शुरू हुआ। सुबह 11 बजकर 55 मिनट पर यहां लोगों ने कंपन महसूस किया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 2.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र दाहोद शहर से करीब 34 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण दिशा में जमीन के नीचे बताया गया। तीव्रता कम होने के कारण कई लोगों को इसका अहसास भी नहीं हुआ, लेकिन जिन्हें महसूस हुआ वे एहतियातन घरों से बाहर निकल आए।

इसके बाद दोपहर 1 बजकर 43 मिनट पर कच्छ जिले के बछुआ इलाके में दूसरा झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.4 दर्ज की गई। इसका केंद्र भचाऊ से लगभग 12 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम दिशा में बताया गया। कच्छ क्षेत्र भूकंप के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है, इसलिए यहां लोग ऐसे झटकों को लेकर तुरंत सतर्क हो जाते हैं।

तीसरा झटका दोपहर 3 बजकर 8 मिनट पर बोटाद जिले में दर्ज किया गया। इसकी तीव्रता भी रिक्टर स्केल पर 3.4 मापी गई। भूकंप का केंद्र बोटाद शहर से करीब 28 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम दिशा में बताया गया। लगातार तीन बार भूकंप आने के बाद प्रशासन भी अलर्ट हो गया है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। फिलहाल कहीं से भी किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

संक्षिप्त खबरें

चलती बाइक से गिरकर महिला की मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : महुआडाड़ थाना क्षेत्र के अहीरपुरवा निवासी 20 वर्षीय समिता देवी (पति दिलीप मुंडा) की चलती बाइक से गिरकर मौत हो गयी।प्राप्त जानकारी के अनुसार समिता देवी अकासी गांव निवासी बिपिन मुंडा तथा बाला महुआ निवासी रोहित मुंडा तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर महुआडाड़ बाजार गये थे। बाजार से लौटने के दौरान शाम करीब 4 बजे दवनाघर के पास समिता देवी अचानक चलती बाइक से गिर गयी। गिरने से उन्हें गंभीर चोट लगी। घटना के बाद परिजन एवं स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महुआडाड़ ले जाया गया।जहां से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गुमला रेफर किया गया। गुमला सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर गुमला पुलिस बुधवार की दोपहर अस्पताल परिसर पहुंची और आवश्यक पंचनामा की कार्रवाई कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। जानकारी मिली कि मृतका का पति चेन्नई में मजदूरी का काम करता है।

विद्यालय में अश्लील गाना मामले में प्रिंसिपल और दो शिक्षक निलंबित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : गढ़वा जिला शिक्षा पदाधिकारी कैसर रजा ने विद्यालय में अनुशासनहीनता के मामले में जिले के मेराल अंचल स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय सोहबरिया के प्रभारी प्रधानाध्यापक और दो शिक्षकों को निलंबित कर दिया है।इस संबंध में उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर यह कार्रवाई की गयी है।उन्होंने पाया कि विद्यालय में आठवीं वर्ग के छात्र-छात्राओं के विदाई समारोह के दौरान विद्यालय परिसर में डीजे साउंड लगाकर अशोभनीय एवं अश्लील गीत बजाए जा रहे थे और विद्यालय की छात्राओं के साथ प्रभारी प्रधानाध्यापक एवं दो शिक्षकों द्वारा नृत्य किया जा रहा था। यह कृत्य विद्यालय की गरिमा, शैक्षणिक वातावरण तथा शिक्षक की मयार्दा के प्रतिकूल पाया गया।इसी आरोप में प्रभारी प्रधानाध्यापक कुंदन कुमार रंजन और दो सहायक शिक्षक पुरुषोत्तम पंडित एवं सुबेश्वर राम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।साथ ही सभी से कारणपृच्छा भी की गयी है।उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता अथवा शिक्षक मयार्दा के विपरीत आचरण को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बिहार में भाजपा ने की नीतीश कुमार की राजनीतिक हत्याः झामुमो

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : बिहार में बदलते राजनीतिक समीकरण को लेकर झारखंड की सत्ताधारी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक हत्या कर दी है और बिहार के जनादेश का अपमान किया है।महासचिव विनोद पांडेय ने बयान जारी करते हुए कहा कि भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा एक बार फिर देश की जनता के सामने आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस चेहरे पर बिहार की जनता ने भरोसा जताते हुए जनादेश दिया था, उसी चेहरे को राजनीति की मुख्यधारा से दूर कर दिया गया।झामुमो नेता ने यह भी दावा किया कि बिहार में भाजपा की यह साजिश काफी पहले से चल रही थी और उन्होंने आशंका जताते हुए कहा कि आने वाले समय में जनता दल (यूनाइटेड) का विलय भाजपा में हो सकता है।महासचिव पांडेय ने कहा कि झारखंड में ऐसी किसी भी साजिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा के खिलाफ उनकी पार्टी की लड़ाई पहले भी थी और आगे भी जारी रहेगी।उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए हमेशा सतर्क रही है और राज्य में भाजपा की किसी भी राजनीतिक चाल को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा।

6से 9 तक झारखंड में हो सकती है बारिश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखण्ड के मौसम मे शुक्रवार से एकबार फिर बदलाव देखने को मिल सकता है। रांची के मौसम विज्ञान केंद्र ने छह से नौ मार्च तक झारखण्ड के कई जिलों मे बारिश का अनुमान बताया है। साथ ही, नौ मार्च को कुछ जिलों मे बारिश के साथ वज्रपात की भी चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के मौसम वैज्ञानिक सतीश चंद्र मण्डल ने मीडिया को बताया कि छह मार्च से दिन और रात के तापमान मे भी वृद्धि होगी।मौसम वैज्ञानिक श्री मण्डल ने कहा कि मौसम मे यह परिवर्तन अप्रत्याशित नहीं है और मार्च, अप्रैल और मई के महीने मे बंगाल की खाड़ी मे निम्न दबाव बनने के कारण बीच बीच मे प्री मानसून बारिश होती है।श्री मण्डल ने आगे बताया कि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से दुनिया मे क्लाइमेट चेंज हो रहा है और भारत या झारखण्ड प्रदेश भी इससे अछूता नहीं है।

परम्पराःबुढ़फाग पर निकाली गयी बारात, ग्रामीणों ने गालियों के साथ दूल्हे का किया स्वागत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : पलामू जिले के सतबरवा व आपपास गांवों में गुरुवार को कई गांवों में पुरानी परंपरा के अनुसार बुजुर्गों के सम्मान में प्रखंड क्षेत्र के लोहरा पोखरी गांव समेत कई गांवों में बुढ़फाग को लेकर दूल्हे के साथ बारात निकल गई जिसमें काफी संख्या में लोग शामिल हुए तथा दूल्हे को आशीर्वाद में ग्रामीणों ने गालियों से स्वागत किया।कई बुजुर्ग ने बताया कि यह परंपरा कई सदियों से चली आ रही है जिसे आज के लोगों की निर्वहन कर रहे हैं।यह हमें आपसी भाईचारा और सद्भाव को बढ़ावा देता।इसके पूर्व सोमवार को की रात्रि में लोक परंपरा के अनुसार अधिकतर गांवों में होलिका दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।वही बुधवार को होली का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इस दौरान लोगों ने ढोलक,झाल ,मजीरा के साथ होली को गीतों को गाकर सामाजिक परंपरा को जीवित रखा तथा रंग अबीर-गुलाल लगाकर खुशी का इजहार किया गया।कई गांव में कपड़ा फाड़ होली देखने को मिली जहां लोगों ने रंगों के साथ कपड़ा फाड़ कर होली खेली।वही कई जगहों पर होली के फुहर गीतों पर युवा वर्ग के लोग थिरकते नजर आए।थाना प्रभारी विश्वनाथ कुमार राणा ने बताया कि छुटपुट घटनाओं को छोड़कर पूरे क्षेत्र में शांतिपूर्वक होली संपन्न हो गई।

जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनाओं की प्रगति की उपायुक्त ने की समीक्षा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : समाहरणालय सभागार, सरायकेला में उपायुक्त नीतिश कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला समन्वयक जल जीवन मिशन सह स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), सभी प्रखंडों के प्रखंड समन्वयक, कनीय अभियंता सहित अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति, क्रियान्वयन की स्थिति, निमार्णाधीन संरचनाओं की गुणवत्ता तथा फील्ड निरीक्षण प्रतिवेदनों का विस्तृत अवलोकन किया गया। उपायुक्त ने कहा कि पेयजल एवं स्वच्छता से संबंधित योजनाएँ ग्रामीण नागरिकों के स्वास्थ्य, सम्मानजनक जीवन एवं स्वच्छ वातावरण से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई हैं, इसलिए इन योजनाओं का क्रियान्वयन निरंतर, संतुलित, उद्देश्यपूर्ण एवं परिणाममुखी ढंग से सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है, ताकि जनहित सर्वोच्च प्राथमिकता पर बना रहे।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में नल-जल योजना से छूटे हुए सभी घरों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर यथाशीघ्र योजना से जोड़ा जाए, जिससे प्रत्येक परिवार तक स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। बदलते मौसम एवं आगामी ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए सभी जलमीनार, नलकूप, चापाकल तथा पेयजल आपूर्ति से संबंधित अन्य संरचनाएँ जो किसी कारणवश बंद या अव्यवस्थित स्थिति में हैं, उन्हें समय रहते दुरुस्त कराया जाए, ताकि गर्मी के मौसम में पेयजल आपूर्ति बाधित न हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पेयजल से संबंधित प्राप्त शिकायतों का त्वरित संज्ञान लेते हुए उनका समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित प्रखंड स्तरीय समन्वयक, कनीय अभियंता एवं उत्तरदायी पदाधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।बैठक में विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में क्रियान्वित जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) सहित अन्य संबंधित योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी लंबित योजनाओं को यथाशीघ्र पूर्ण करने तथा पूर्ण हो चुकी योजनाओं के लंबित भुगतानों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि पूर्ण योजनाओं का विधिवत हस्तांतरण संबंधित ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को किया जाए, ताकि स्थानीय स्तर पर योजनाओं का सुचारू संचालन एवं रख-रखाव सुनिश्चित किया जा सके।इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिले के सभी विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में जहाँ शौचालय अथवा पेयजल से संबंधित कार्य प्रगति पर हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा पूर्ण कार्यों के लंबित भुगतानों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि संस्थानों में स्वच्छता एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था उपलब्ध हो सके।बैठक के दौरान उपायुक्त ने 8 मार्च से 22 मार्च तक आयोजित होने वाले ‟जल महोत्सव पखवाड़ा" के अंतर्गत प्रस्तावित गतिविधियों एवं निर्धारित कार्ययोजना की भी समीक्षा की। उन्होंने कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया कि निर्धारित कैलेंडर के अनुरूप सभी गतिविधियों का प्रभावी एवं सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि जल संरक्षण, जल प्रबंधन एवं स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता को व्यापक स्तर पर बढ़ावा मिल सके।

इलाज में लापरवाही से मौत के विरोध में जलडेगा बंद, सिविल सर्जन के आश्वासन के बाद जाम हटा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सिमडेगा : जलडेगा भाजपा नेता सह समाजसेवी रामेश्वर सिंह की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में समय पर प्राथमिक इलाज नहीं मिलने और उपचार में देरी से हुई मौत के विरोध में गुरुवार को भाजपा के आह्वान पर जलडेगा बंद रखा गया। सुबह होते ही भाजपा कार्यकताओं और ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। बंदी के समर्थन में लोगों ने स्वतः अपनी-अपनी दुकानें बंद रखीं। बंद के कारण यात्री वाहनों को अलग-अलग मार्गों से अपने गंतव्य के लिए रवाना होना पड़ा।बंदी के दौरान भाजपा कार्यकताओं के साथ स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग होश में आओ, अस्पताल प्रबंधन होश में आओ, दोषियों पर कार्रवाई करो, स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार करो, चिकित्सकों की स्थायी नियुक्ति करो, पीड़ित परिवार को मुआवजा दो, ओपीडी सेवा बहाल करो और रामेश्वर सिंह अमर रहे जैसे नारे लगाए गए।जाम की सूचना मिलने पर बीडीओ डॉ प्रवीण कुमार और थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार जाम स्थल पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक सिमडेगा के सिविल सर्जन स्वयं जाम स्थल पर आकर कार्रवाई का आश्वासन नहीं देंगे, तब तक बंद वापस नहीं लिया जाएगा।इसके बाद अपराह्न करीब दो बजे सिविल सर्जन सिमडेगा जाम स्थल पर पहुंचे और लोगों के साथ वार्ता की। इस दौरान भाजपा नेता सुजान जोजो ने स्वास्थ्य विभाग की कई खामियों को उजागर करते हुए कहा कि रामेश्वर सिंह केवल एक नेता ही नहीं बल्कि एक सच्चे समाजसेवी भी थे। उन्होंने कहा कि उनकी एक बेटी है, जिसकी शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। साथ ही दोषियों के खिलाफ अविलंब कार्रवाई, पीड़ित परिवार को मुआवजा, एंबुलेंस व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग की।सिविल सर्जन ने बताया कि घटना के दिन ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों से शो-कॉज पूछा गया है। उन्होंने चिकित्सक की पदस्थापना, एंबुलेंस व्यवस्था सुदृढ़ करने, ओपीडी सेवा बहाल करने और आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। आश्वासन मिलने के बाद बंद और जाम को समाप्त कर दिया गया।इस दौरान लोगों ने पुराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही ओपीडी सेवा शुरू करने की मांग भी की। लोगों का कहना था कि वर्तमान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र काफी दूर होने के कारण मरीजों को परेशानी होती है।

मौके पर बीडीओ डॉ प्रवीण कुमार, थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार, इंस्पेक्टर, जिप सदस्य रोजालिया शांता कंडुलना सहित भाजपा नेता सुजान जोजो, मोतीलाल ओहदार, जगेश्वर बिंझिया, भोला साहु, सुभाष साहु, दिलेश्वर साहु, महेश साहु, राजू साहु, राजेश अग्रवाल, जसवंत साहु, रामावतार अग्रवाल, बसंत साहु, त्रिलोक साहु, हेमशरण सिंह, किशनु कुलला, लक्ष्मण मांझी, सुनीता देवी, जयंती देवी, मिठु राम वर्मा, चतुर बड़ाईक, दया साहु, कमल ठाकुर, सुरेंद्र अग्रवाल, मदन सरकार, मुखिया विमला देवी, मुखिया शिशिर डांग, मुखिया बिपिन बंडिग सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और महिलाएं उपस्थित थीं। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल की भी तैनाती की गई थी।

हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी ने हाजत में लगाई फांसी, बच्चे का अपहरण कर रामगढ़ में हत्या के बाद दफनाया था

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : होली में नामकुम पुलिस विधि व्यवस्था में जुटी थी, वहीं थाना के हाजत में हत्या के आरोप में गिरफ्तार आरोपी जगय मुंड़ा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।वह खूंटी के साइको थाना क्षेत्र का रहने वाला था। घटना बुधवार देर रात की है।गुरुवार की सुबह साढ़े पांच बजें पुलिस ने हाजत के ग्रील से लटका हुआ शव देखा।हाजत में हत्या की जानकारी पूरे पुलिस महकमे में आग की तरह फैल गई।जानकारी के अनुसार खूंटी के साइको थाना क्षेत्र अंतर्गत कोलहापूर्ति का रहने वालें जगय मुंड़ा का गांव की रहने वाली विधवा से अवैध संबंध चल था। जगय महिला एवं उसके 12 साल के बच्चें के साथ नामकुम थाना क्षेत्र के उलीडीह गांव में रहता था। बीते रविवार को जगय का महिला से किसी बात को लेकर विवाद हो गया जिससे नाराज होकर जगत ने सोमवार की सुबह महिला के 12 वर्षीय बेटे रमेश हजाम को स्कूल पहुंचाने के बहाने अपहरण कर रामगढ़ के घाटों ले गया जहां बच्चे की हत्या कर दफना दिया।काफी समय बीतने के बाद भी बच्चा व जगय नहीं लौटा तो महिला ने नामकुम थाना को सूचना दिया।पुलिस ने जांच के क्रम में जगत को खूंटी से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में जगय ने बच्चे का अपहरण व हत्या करने की बात स्वीकार की जिसके बाद पुलिस उसे लेकर घाटों गई जहां से बच्चें का शव बरामद किया।सूत्रों की मानें तो जगय हाजत में अकेला था।उसने हाजत में रखें कंबल के किनारे में लगें कपड़े को फाड़कर रस्सी बनाया और उसी के सहारे फांसी लगा ली। घटना के बाद पुलिस ने वरीय अधिकारियों को सूचना देने के बाद पोस्टमार्टम के लिए रिम्स ले गई।हालांकि खबर लिखे जाने तक पोस्टमार्टम नहीं हो पाया था। संभवतः मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में पोस्टमार्टम किया जाएगा।हाजत में फांसी लगाएं जाने की सूचना मृतक के परिजन को दी गई जिसके बाद परिजन रिम्स के पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे।घटना की जानकारी मिलते ही काफी संख्या में रिपोर्टर नामकुम थाना पहुंचे व घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त करना चाहा परंतु उपस्थित पदाधिकारी व अन्य कर्मी कुछ भी बताने से कतराते रहें।घटना के बाद पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है। जगय ने फांसी कब, कैसे और क्यों लगाई इसकी जांच में जुटी है।

करंट से मौसा और बेटा की मौत, गांव में होली के दिन मातम छाया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : बुंडू प्रखंड के हेंठबुढाडीह गांव में बुधवार को होली त्यौहार के दिन मौसा और बेटा कांची नदी से सिंचाई कर तार को लपटने दौरान करंट लग जाने से मौत हो गई। मृतक की पहचान रितेश कुमार महतो उम्र 17 वर्ष पिता जगमोहन महतो गांव हेंठ बुढाडीह, दूसरा अर्जुन महतो उम्र 38 वर्ष पिता रामदयाल महतो गांव उरांवडीह राहे का रहने वाला था। ग्रामीणों के मुताबिक होली पर्व में अर्जुन महतो अपने साढु घर हेंठ बुढाडीह आए हुए थे। दोनों बुधवार को मौसा और बेटा कांची नदी के किनारे खेत में सब्जी का पटवन किया तत्पश्चात तार लपटने के वक्त बिजली के संपर्क में आ गए। जिससे दोनों युवक घटनास्थल पर ही मौत हो गयी।घटना की जानकारी मिलते ही गांव में मातम छा गया मृतक के माता और पत्नी बेहोश हो गई इसके साथ कई लोग बेहोश हो गए।

होली के दिन युवक ने लगायी फांसी, चार बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत भरनो थाना क्षेत्र के ग्राम मलगो चंपाटोली निवासी 28 वर्षीय प्रदीप उरांव ने बुधवार की रात अपने घर में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।घटना की जानकारी मिलते ही गांव में शोक का माहौल फैल गया।

परिजनों ने बताया कि प्रदीप उरांव ईंट भट्ठा में मजदूरी का काम करता था। बुधवार को होली के अवसर पर रंग-अबीर खेलकर घर लौटा था। इसके बाद रात में उसने घर के अंदर रस्सी के सहारे फांसी लगा ली।बुधवार रात करीब 10 बजे परिजनों को घटना की जानकारी हुई।

बीजेपी ने नीतीश युग समाप्त किया, राजद का दावा सही साबित 25 से 30 नहीं रहे नीतीशःकैलाश यादव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने भाजपा पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान भाजपा देश भर में एक विषैली राजनीति की शुरूआत किया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को महज कुछ ही महीनों में जबरन सत्ता परिवर्तन कराकर अपने गिरफ्त में कर लिया है।विदित है जेडीयू प्रमुख बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को राज्यसभा का नामांकन कर दिल्ली दरबार की हाजिरी लगाने का फैसला लिया है, लेकिन मौकपस्त नीतीश कुमार की राजनीतिक भविष्य का फैसला का स्पष्ट संकेत राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व बिहार में नेताप्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने 2025 विधानसभा चुनाव चुनाव के पहले ही दे दिया था।आखिरकार राजद नेता तेजस्वी यादव की बाते शत प्रतिशत सही साबित हुई क्योंकि बीजेपी ने आज बिहार में नीतीश कुमार की स्थिति महाराष्ट्र जैसी शिंदे सिस्टम लागू कर दिया। बिहारवासियों एवं राजनीतिक गलियारे में चारों तरफ चर्चा है कि बिहार में अब भाजपा धर्मनिरपेक्षता को समाप्त कर संघी विचारधारा लागू करेगी।कैलाश यादव ने कहा कि बीजेपी ने नीतीश कुमार का राजनीतिक भविष्य खत्म करने की शुरूआत कर दिया है उनके राज्यसभा में जाने पर नीतीश युग की भी समाप्ति हो गई है क्योंकि बगैर नीतीश कुमार जेडीयू का कोई अस्तित्व नहीं है।प्रवक्ता कैलाश यादव ने कहा कि नीतीश कुमार की राजनीतिक कार्यशैली की समीक्षात्मक आंकलन किया जाय तो वे कभी भी समाजवादी विचारधारा के पक्षधर नहीं रहे बल्कि मौकापरस्त राजनीति के तहत सिर्फ साजवादी होने का ढोंग किया और संपूर्ण रणनीति समाजवादियों के खिलाफ करते रहे।विदित है नीतीश कुमार सत्ता सुख के लिए राजद सुप्रीमो लालू प्र यादव से अलग होकर अलग पार्टी बनाई और समता पार्टी तथा जनता दल का विलय कर केंद्र में बीजेपी के तत्कालीन नेता प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व वाले एनडीए सरकार की मंत्रिमंडल में शामिल हो गए और फिर बिहार में राजद के खिलाफ बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा।विदित है मौकापरस्त नीतीश कुमार ने राजनीतिक लाभ के लिए समयानुसार समाजवादी विचारधारा की बाते सेक्यूलरिज्म का हमेशा ढोंग रचते रहे और मौका मिलते ही बीजेपी के साथ सत्ता सुख की प्राप्ति किया।कैलाश यादव ने कहा कि नीतीश कुमार का राजनीतिक इतिहास बीजेपी और आरएसएस के गोद में ही पला बढ़ा क्योंकि केंद्र एवं प्रदेश की राजनीति में वर्तमान समय तक साथ रहे हैं।

सात दिनों से पानी नहीं मिलने से लोग परेशान, पार्षद की पहल से मिला पानी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : गत 27 फरवरी को रांची नगर निगम चुनाव मतगणना संपन्न हुआ और 53 वार्डों के पार्षद निर्वाचित हुए। इसके दूसरे दिन 28 फरवरी से लेकर पांच मार्च तक शहर के कई क्षेत्रों में सप्लाई पानी नलों में नहीं आने से लोग परेशान हो गये। शहर में पानी नहीं मिलने से त्राहिमाम मच गया , गर्मी और ऊपर से रमजान के महीने में पानी नहीं मिलने लोगों में बेचैनी बढ़ गई। निगम क्षेत्र के डोरंडा, हिंदपीढ़ी और कांटा टोली क्षेत्र में लोग पानी के लिए इधर-उधर भटकते नजर आए। ऐसी परिस्थिति में वार्ड 11 के नवनिर्वाचित पार्षद आलिया नाज ने पहल की और अपने वार्ड क्षेत्र के कांटा टोली कुरैशी मोहल्ला, राजा कॉलोनी, इदरीश कॉलोनी और इसके आसपास के गली मुहल्ले के लोगों को दो दिनों 4 और 5 मार्च तक निगम के माध्यम से टैंकर से पानी पहुंचाया और घर-घर तक पीने का पानी उपलब्ध कराने में अपनी हम भूमिका निभाई। ऐसे में स्थानीय लोगों ने पानी मिलने पर नवनिर्वाचित पार्षद आलिया नाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसा ही पार्षद होना चाहिए जो तुरंत काम कर सके और करवा सके। वही आलिया नाज ने नगर निगम प्रशासक का धन्यवाद किया और कहा कि आम जनता की समस्या का निदान करने में त्वरित सहयोग प्रदान करने के लिए निगम का धन्यवाद आभार साथ ही 53 वार्डों में निगम द्वारा एचवाईडीटी पानी टंकी लगा है आज तक टंकी की सफाई नहीं हुई है निगम प्रशासक से मैंने कहा है कि सभी पानी टंकी की सफाई हो जायेगी तो लोग न सिर्फ कपड़े धोने नहाने बल्कि पीने और खाना बनाने में भी पानी का उपयोग करेंगे। प्रशासक सुशांत गौरव ने इस पहल को प्राथमिकता दिया और सभी पानी टंकी की सफाई कराने का निर्देश दिए, वहीं जिला उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री को मैसेज की और कहा कि सात दिनों से नल नहीं खुलने से लोग परेशान हैं, जो पाइप क्षतिग्रस्त हो गया उसे बनवाने में पहल किया जाए। जिस पर उपायुक्त द्वारा बताया गया कि इस पर काम जारी है , बहुत जल्द क्षतिग्रस्त पाइप है उसकी मरम्मती करा दी जाएगी और लोगों तक पानी पहुंच जाएगा।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

धमाके से युवक की मौत, जन्म के कुछ घंटों बाद नवजात ने भी तोड़ा दम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : टुंडी थाना क्षेत्र में कुदरत ने ऐसा दर्दनाक मंजर लिख दिया कि पत्थर दिल भी पिघल जाए। जिस दिन एक घर में नवजात की किलकारियां गूंजनी थीं, उसी दिन वहां मातम छा गया। पिता की मौत के कुछ घंटों बाद ही नवजात बेटे ने भी दम तोड़ दिया, जिससे पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई।सिंधवारीटांड निवासी 23 वर्षीय शंकर सोरेन होली के दिन बुधवार को बराकर नदी में मछली पकड़ने गया था। परिजनों के अनुसार वह इस उम्मीद में घर से निकला था कि लौटकर अपने होने वाले बच्चे का चेहरा देखेगा। लेकिन नदी में मछली पकड़ने के लिए किए जा रहे अवैध विस्फोट के दौरान वह लापता हो गया। आशंका है कि इसी धमाके की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई।घटना के बाद एनडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोरों द्वारा बराकर नदी में उसकी तलाश शुरू की गई। इसी बीच अस्पताल में उसकी पत्नी ने एक बेटे को जन्म दिया। परिवार में जहां एक ओर उम्मीद की किरण जगी, वहीं कुछ ही घंटों बाद नवजात की भी मौत हो गई। गुरुवार को देवघर से आए गोताखोरों ने नदी से शंकर का शव बरामद किया। शव मिलते ही गांव में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि नदी में अवैध रूप से विस्फोटक का इस्तेमाल कर मछली पकड़ी जाती है और प्रशासन इस पर रोक लगाने में नाकाम रहा है। लोगों ने इस घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

फिल्मी अंदाज में कार से दुकानदार को घसीटा, एक आरोपी गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद के केंदुआ मोड़ में गुरुवार को एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई, जहां मामूली विवाद के बाद एक फल दुकानदार को कार से करीब 100 मीटर तक घसीट दिया गया। इस घटना में दुकानदार गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका सिर फट गया।घटना केंदुआ मोड़ स्थित बिहारी लाल चौधरी के सामने की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, एक कार आकर फल दुकानदार के ठेले के सामने खड़ी हुई। कार में सवार एक व्यक्ति बाहर बियर की बोतल रखकर शराब पीने लगा। जब दुकानदार ने इसका विरोध किया तो दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। इसी दौरान आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए दुकानदार को थप्पड़ मार दिया।बताया जा रहा है कि इसके बाद आरोपी ने कार का दरवाजा खोलकर दुकानदार को अंदर खींच लिया और तेज रफ्तार में गाड़ी भगा दी। दुकानदार करीब 100 मीटर तक घसीटता रहा और फिर चलती कार से सड़क पर गिर पड़ा। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गया।स्थानीय लोगों की मदद से घायल दुकानदार को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद केंदुआ थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि कार चालक और वाहन अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

झरिया कोयलांचल में धूमधाम से मना होली, चांद कुइयां, जयरामपुर व भौंरा में होली मिलन आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : झरिया कोयलांचल में लोगों ने होली का त्यौहार धूमधाम से मनाया। तीसरा एवं चांद कुइया कॉलोनी में छत्तीसगढ़ी समाज कि ओर से जयरामपुर मोड़ में भोजपुरिया समाज कि ओर से होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जहां छत्तीसगढ़ी समाज के भागवत राम साहू,आकोश लाल,बलराम यादव ने अपनी परंपरागत भाषा में एक से बढ़कर एक होली गीत गाकर सबको झूमने पर मजबूर किया। भागवत साव ने प्रथम चरण गणपति के मनाऊं। बलराम यादव ने बाजे मुरलिया वृंदावन में श्याम, अकोश लाल साव तोर दरस दुनिया ठारे भोला जबकि मोहन सिंह ने ओर से रंग बरसे भीगे चुनरवाली गाना गाया। मौके पर समाज के छुन्नू रजवार, सोखी लाल यादव, देवनारायण भैना, नेपाल बाऊरी, साधु केवट, श्रीनिवास यादव, कॉलोनी के कृष्णा सिंह, बनवारी सिंह, शंकर सिंह, धनंजय सिंह,सूरज महतो, ऋषि सिंह, पप्पू सिंह, नवल किशोर मुंडा, सुरेंद्र कुमार, रिशु,किशु, अमित सिंह, अनीश कुमार, सुजीत सिंह, मनोज शर्मा,मंगल सिंह आदि मौजूद थे।भौरा कोलियरी क्षेत्र में होली धूमधाम से मना समाजसेवी राजेश सिंह उर्फ मुन्ना सिंह ने न्यू क्वार्टर स्थित व्हाइट हाउस में पारम्परिक होली गीत का आयोजन कराया था,जहां भोजपुरी समाज सहित बंगाली,गुजराती,मारवाड़ी समाज के लोगो ने खूब आनंद लिया।लोगो आपस मे एक दूसरे को रंग गुलाल लगाया,इस दौरान पारम्परिक भोजन पुआ,पूड़ी,दही बड़ा,छोला आदि का भोजन कराया गया।वही विस्थापित नेता मौसम महंती के आवास पर भौंरा के बुद्धिजीवियों ने होली मनाई।जहां लोगो ने एक दूसरे को गुलाल लगाए।मौके पर देव कुमार दुबे,प्रभात कुमार,विशेश्वर पांडेय आदि मौजूद थे।

होली में डीजे बजाने के विवाद में धनसार में फायरिंग, दो युवकों को लगी गोली

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनसार थाना क्षेत्र के बरमसिया फुटबॉल ग्राउंड में बुधवार को होली का जश्न मनाने के दौरान अचानक हुई फायरिंग की घटना से इलाके में अफरातफरी मच गई। घटना के संबंध में बताया गया कि डीजे बजाने एवं पैसे के विवाद में फायरिंग की घटना हुई। फायरिंग की घटना में दो युवक घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। विष्णु कुमार के पैर में गोली लगी, जबकि पुष्पक के पेट में गोली लगी है।बरमसिया त्रिमूर्ति सदन के पास रहने वाले घायल विष्णु कुमार ने बताया कि वह ठेकेदार विकास लाला के लिए पेटी कॉन्ट्रैक्टर के रूप में काम करता था। गोधरा में एक अस्पताल निर्माण के दौरान उस पर करीब 2.5 लाख रुपये बकाया था, इसी पैसे की मांग को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद विकास लाला और उसके साथियों ने फायरिंग कर दी। विष्णु के पैर में गोली लगी, जबकि उसके दोस्त पुष्पक मिश्रा के पेट में गोली लगी है। घायल पुष्पक मिश्रा ने बताया कि होली के जश्न के लिए लोग फुटबॉल ग्राउंड में जमा थे, इसी दौरान मारपीट और फायरिंग हुई। उसने आरोप लगाया कि विकास लाला ने गोली चलाई। पुष्पक ने बताया कि वह अपने दादा के घर बरमसिया शनि मंदिर में उनकी तेरहवीं में शामिल होने आया था, वह दिल्ली में पढ़ाई करता है। धनसार थाना प्रभारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि डीजे बजाने को लेकर विवाद हुआ है,जिसके बाद गोली चली। दो लोगों को गोली लगी है और उनका एसएनएमएमसीएच में इलाज चल रहा है। पुलिस का कहना है कि एक पक्ष पैसे के बकाया का मामला बता रहा है, जबकि दूसरा पक्ष जमीन की खरीद-बिक्री के विवाद को वजह बता रहा है।

चार हजार करोड़ की जलापूर्ति योजना लंबित, जलसंकट को लेकर लोगों में चिंता बढ़ी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद में पेयजल आपूर्ति की तस्वीर चौंकाने वाली है। चार हजार करोड़ की बीते एक दशक से विभिन्न शहरी और ग्रामीण जलापूर्ति योजनाएं लंबित हैं। पाइपलाइन बिछी, जलमीनारें खड़ी हुईं, ट्रीटमेंट प्लांट बने, लेकिन बड़ी आबादी अब भी नियमित जलापूर्ति से वंचित है। कई इलाकों में नल तो लगे हैं, पर पानी नहीं पहुंचा।जिले में चल रही कई योजनाएं 70 से 85 प्रतिशत तक पूरी बताई जा रही हैं। लक्ष्य तिथि भी बीत चुकी है, फिर भी आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। कहीं इंटेक वेल अधूरा है, कहीं पंप हाउस का काम लंबित है तो कहीं बिजली कनेक्शन नहीं मिल पाया। परिणामस्वरूप, पूरी संरचना खड़ी होने के बावजूद जलापूर्ति ठप है।निरसा-गोविंदपुर मेगा योजना करीब 750 करोड़ रुपये की लागत से शुरू इस योजना का उद्देश्य सैकड़ों गांवों तक पानी पहुंचाना था। पाइपलाइन और टंकियों का निर्माण हुआ, लेकिन जल स्रोत से पानी उठाव और वितरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। जिस कारण ग्रामीण आज भी पुराने जलस्रोतों पर निर्भर हैं।ग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत ट्रीटमेंट प्लांट और जलमीनार बन चुके हैं। योजना तय समय में पूरी होनी थी, पर मोटर संचालन और ट्रायल रन में देरी के कारण दर्जनों गांवों में पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। बलियापुर में ट्रायल के बाद पानी शुरू हुई, लेकिन फिर से आपूर्ति बंद कर दी गई।इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने से जवाबदेही को लेकर सवाल उठ रहे हैं। एजेंसियों में बदलाव, तकनीकी खामियां और समन्वय की कमी को देरी का कारण बताया जा रहा है।इस संबंध में धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि जलापूर्ति की नगर निगम और पेयजल विभाग से चलने वाली योजनाएं सालों से लंबित है। जल जीवन मिशन के तहत चलने वाली योजनाओं में फंड की कमी की दिक्कत हो रही थी, लेकिन अभी कुछ फंड आया है। जल जीवन मिशन के तहत चलने वाली योजनाओं को पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है। कुछ योजनाएं एनओसी के कारण लंबित रही। किसी में रेलवे ट्रैक तो किसी में एनएच जैसी समस्या खड़ी हो रही है। कई एनएच की चौड़ाई काफी कम है। अगर पाइप लाइन की एनओसी दे दी जाए, तो आधी सड़क कट जाएगी। इन कारणों से योजनाएं लंबित रही है। कुछ में वाटर एक्सट्रैक्शन की भी समस्याएं खड़ी हो रही। बायर एक्सट्रैक्शन के लिए डीवीसी से परमिशन नहीं मिला है। डीवीसी से परमिशन लेनी है। जलापूर्ति योजनाओं पर कार्य करने वाली एजेंसी का काम संतोषजनक नहीं रहा। गर्मी के पहले डीवीसी, निगम और सभी एजेंसी के साथ एक बैठक की जाएगी। कम बजट और कम मेहनत वाली जलापूर्ति योजनाओं को तत्काल शुरू करने की कोशिश की जाएगी। सिंगल विलेज स्कीम का सर्वे चल रहा है।डीसी ने साफ किया कि तकनीकी अड़चन, एनओसी और एजेंसियों की धीमी कार्यशैली के कारण योजनाएं समय पर पूरी नहीं हो सकीं। हालांकि प्रशासन अब गर्मी से पहले कुछ योजनाएं चालू करने की बात कह रहा है।वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि जलापूर्ति योजना के अधूरी रहने से उन्हें पानी खरीदकर इस्तेमाल करना पड़ रहा है। हर साल गर्मी में यही हाल होता है और इस बार भी राहत की उम्मीद कम ही दिख रही है।

सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो कि मने तो जलापूर्ति योजनाओं को पूरा करने वाली एजेंसी कार्य के प्रति कभी समर्पित नहीं रही है। काम को सिर्फ लीपापोती करने के चक्कर में लगे रहते हैं। ऐसी एजेंसियों को ब्लैक लिस्ट करने की जरूरत है। विधायक ने साफ शब्दों में कहा कि जब तक लापरवाह एजेंसियों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक योजनाएं समय पर पूरी नहीं होंगी।जिले में जलापूर्ति योजनाओं पर भारी राशि खर्च होने के बावजूद जनता को राहत नहीं मिल पा रही है। प्रशासन तकनीकी और प्रक्रियात्मक अड़चनों का हवाला दे रहा है, जबकि आम लोग पानी के लिए जूझ रहे हैं। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि गर्मी से पहले कितनी योजनाएं धरातल पर उतर पाती हैं और धनबाद की प्यास कब बुझती है।

गर्मी से पहले जलापूर्ति व्यवस्था करें दुरुस्त : डीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। गर्मी से पहले पीने के पानी की आपूर्ति ठीक कर लेने का आदेश डीसी आदित्य रंजन ने दिया है। गुरुवार को आदित्य रंजन ने गर्मी उप विकास आयुक्त सन्नी राज के साथ सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। बैठक में डीसी ने जिले में पानी से संबंधित जितनी भी समस्याएं हैं, उनका गर्मी से पहले समाधान करने, सभी जलमीनारों को नियमित रूप से चालू रखने, जलापूर्ति व्यवस्था को निर्बाध बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। किसी भी क्षेत्र में जलापूर्ति से संबंधित समस्या आने पर उसे 24 से 48 घंटे के भीतर हर हाल में दूर करें। जलापूर्ति व्यवस्था की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए आवश्यक फंड उपलब्ध कराया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जलमीनार, चापाकल, कुएं सहित जलापूर्ति से जुड़े सभी मौजूदा जल स्रोत शत-प्रतिशत क्रियाशील (फंक्शनल) होने चाहिए। मार्च माह के अंत तक जिले के सभी चापाकल, कुएं एवं जलमीनारों को पूरी तरह से दुरुस्त एवं कार्यशील करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। डीसी ने निर्देश दिया कि जलापूर्ति व्यवस्था की निगरानी के लिए टीम का गठन किया जाएगा। इसमें संबंधित क्षेत्र के बीडीओ तथा पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता शामिल रहेंगे। एक सत्यापन टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में रैंडम निरीक्षण भी किया जाएगा। बैठक के दौरान प्लंबर एवं श्रमिकों की उपलब्धता की भी जानकारी ली गई, ताकि किसी भी खराबी को शीघ्र ठीक किया जा सके। इसके अलावा स्पेयर पार्ट्स की सूची तैयार करने तथा विश्वसनीय विक्रेताओं से बेहतर गुणवत्ता के सामान की खरीद सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। डीसी ने कहा कि जलापूर्ति व्यवस्था की मॉनिटरिंग के लिए एक वार रूम भी बनाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगली बैठक में सभी संबंधित विभाग अपनी विस्तृत रिपोर्ट के साथ उपस्थित होंगे। डीसी ने कहा कि इस बार गर्मी के मौसम में प्रशासन पूरी तरह से सतर्क एवं तैयार रहेगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जिले के किसी भी परिवार को पानी लाने के लिए दूर तक नहीं जाना पड़े। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सभी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक, पीएचईडी 1 एवं 2 के कार्यपालक अभियंता, सभी प्रखंड के कनीय अभियंता, सहायक अभियंता के अलावा अन्य विभागों के पदाधिकारी शामिल हुए।

डिपेंटी को राज्य के सर्वश्रेष्ठ पीएलवी का सम्मान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) धनबाद की पीएलवी डिपेंटी कुमारी गुप्ता को राज्य का सर्वश्रेष्ठ पीएलवी के सम्मान से सम्मानित किया गया। रांची के शौर्य सभागार में आयोजित छठवीं राज्य स्तरीय डीएलएसए मीट के दौरान उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया . इसके पूर्व धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा एवं अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो के मार्गदर्शन मे किए गए कार्यों के कारण राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष पर सम्मानित करने के लिए चिन्हित किया गया था । इस बाबत जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि राँची में आयोजित छठे राज्य स्तरीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद के उपस्थिति में न्यायमूर्ति आनंद सेन , न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी , पूर्व न्यायमूर्ति अंबुजनाथ सदस्य सचिव रंजना अस्थाना द्वारा धनबाद जिले के शोषित वंचित हाशिए पर खड़े आदिवासी जनमानस तक सुलभ व त्वरित न्याय पहुंचाने हेतु राज्य के सर्वश्रेष्ठ परलीगल वॉलिंटियर/अधिकार मित्र होने का गौरव प्रदान किया गया जो पूरे जिले के लिए गौरव का पल रहा .न्यायमूर्ति द्वारा द्वारा कहां गया कि अधिकार मित्र द्वारा किए गए विधिक जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण , वृद्ध जनों को आश्रय दिलाना , असाध्य रोग से ग्रसित पीढ़ित को इलाज मुहैया करवाना एवं जरूरतमंदों को न्याय दिलाने में सक्रिय भूमिका सराहनीय रही है।

आपसी विवाद में बियर की बोतल से हमला, दो युवक व महिला गंभीर रूप से घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : सरायढेला थाना क्षेत्र के उड़िया पट्टी में गुरुवार को आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जब कुछ युवकों ने बियर की बोतल तोड़कर हमला कर दिया। इस घटना में दो युवक और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।जानकारी के अनुसार विक्की हाड़ी अपनी बहन रानी देवी के घर उड़िया पट्टी आया हुआ था। इसी दौरान पास के रहने वाले कुछ युवक नशे की हालत में वहां पहुंचे और पहले एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर दी, जिससे उसका सिर फट गया। जब विक्की हाड़ी और उसका भाई बीच-बचाव करने पहुंचे तो आरोपियों ने बियर की बोतल तोड़कर उन पर हमला कर दिया। इस दौरान एक युवक के सीने पर बोतल से वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।परिजनों का आरोप है कि जब वे लोग घायलों को बचाने पहुंचे तो आरोपियों ने चाकू से भी हमला करने की कोशिश की, जिसमें विक्की की बहन रानी देवी भी घायल हो गईं। घायलों को तुरंत एसएनएमएमसीएच अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।घायल के परिजन रीना देवी ने बताया कि इलाके के कुछ युवक अक्सर पिस्टल दिखाकर लोगों को धमकाते रहते हैं।वहीं सरायढेला थाना प्रभारी मंजीत कुमार ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नारी स्वावलंबन अभियान के अंतर्गत संचालित 5 दिवसीय सेनेटरी पैड निर्माण प्रशिक्षण पर समारोह आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः मारवाड़ी युवा मंच, झरिया शाखा के द्वारा आयोजित नारी स्वावलंबन अभियान के अंतर्गत संचालित 5 दिवसीय सेनेटरी पैड निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम 28 फरवरी को सफलतापूर्वक संपन्न होने पर गुरुवार को समापन समारोह आयोजित किया गया।समारोह में शाखा अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा, कार्यक्रम संयोजक पूनम शर्मा, पूर्व अध्यक्ष विवेक लिल्हा, अतिथि आबदा परवीन, प्रशिक्षक नीतू देवी, यश अग्रवाल तथा चैतन्य अग्रवाल उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य कि कामना की।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 11 महिलाओं एवं बालिकाओं को सेनेटरी पैड निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली प्रतिभागियों में चांदनी देवी, किरण कुमारी, शोभा देवी, रोशन, सुमन देवी, चुन्नी बेगम, अन्ना चटर्जी, उर्मिला देवी, सुनीता कुमारी, अनीता देवी तथा प्रमिला देवी शामिल रहीं।समापन अवसर पर सभी प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

जिला प्रशासन के नाक के नीचे जिले भर भर में धड़ल्ले से बेची जा रही प्रतिबंधित गुटखे

गुटखे की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी से ग्राहक हो रहे लूट का शिकार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः झारखंड में तंबाकू एवं निकोटीन युक्त गुटखा एवं पान मसाला के खरीद बिक्री पर पूर्णतः प्रतिबंध है। स्वास्थ्य विभाग ने राज्य में इनके उत्पादन, भंडारण एवं बिक्री पर पूर्ण रोक लगा रखा है। 2020 में जब कोरोना महामारी फैली तब खतरे को देखते हुए झारखंड में गुटखा उत्पादन, भंडारण एवं बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया था। कैंसर जैसी बीमारियों को रोकने और युवाओं के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए यह एक सफल कदम माना जा रहा था। परंतु कोयलांचल क्षेत्र में इस प्रतिबंध की वास्तविक स्थिति बिल्कुल इसकी उलट नजर आती है। कोयलांचल के प्रमुख बाजारों में गिने जाने वाले झरिया, फुसबंगला, जामाडोबा, डिगवाडीह एवं उसके आसपास के बाजारों में प्रतिबंधित गुटखा खुलेआम बिक रही है। इतना ही नहीं, इन उत्पादों की कीमतों में लगातार मनमानी बढ़ोतरी कर आम उपभोक्ताओं को खुलेआम लुटा जा रहा है। इन बाजारों में तय मूल्य पांच रुपये वाले गुटखा जैसे कमला पसंद और दिलरूबा सात रुपये में बेची जा रही है, यानी एमआरपी से 40 प्रतिशत अधिक कीमत वसूला जा रहा है या यूं कहें कि उपभोक्ताओं को सीधे तौर पर लूटा जा रहा है। स्थानीय खुदरा दुकानदारों का कहना है कि बाजारों में थोक व्यापारियों ने बड़े पैमाने पर गुटखा को स्टॉक कर रखा है और वहीं से खुदरा बाजार में बढ़ी हुई दामों पर माल को बेचा जा रहा है जीसका असर सीधे आम जनता पर पड़ रहा है।कोयलांचल क्षेत्र में बड़ी संख्या में दिहाड़ी मजदूर तथा निम्न आय वर्ग के लोगों में गुटखा एवं तंबाकू जैसे सस्ते नशे की लत अधिक देखी जाती है। मुनाफाखोर व्यापारी इसी कमजोरी का फायदा उठाकर बाजार में कृत्रिम कमी पैदा कर कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी कर रहे हैं। जिससे गरीब तबका सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा 2026 के आम बजट में तंबाकू उत्पादों पर टैक्स बढ़ाने की घोषणा तो की गई है, पर नया दर अभी तक पूरी तरह लागू भी नहीं हुआ है बावजूद इसके स्थानीय बाजारों में कीमतें बढ़ा दी गई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि कीमतों में बढ़ोतरी सरकारी नीति से ज्यादा व्यापारियों की मनमानी का परिणाम है।उपभोक्ता संरक्षण कानून यह स्पष्ट रूप से कहता हैं कि किसी भी उत्पाद को निर्धारित मूल्य से अधिक पर नहीं बेचा जा सकता। लेकिन जब प्रतिबंधित वस्तु ही खुलेआम बिक रही हो और उस पर मनमानी कीमत वसूली जा रही हो, तो यह कानून और व्यवस्था दोनों पर सवाल खड़ा करता है। संबंधित अधिकारियों को इस पूरे मामले को गंभीरता से लेनी चाहिए तथा त्वरित कार्यवाई करते हुए थोक व्यापारियों के गोदामों में छापेमारी और एमआरपी से अधिक मूल्य वसूलने वालों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

हिंदी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

झारखण्ड

धनबाद, शुक्रवार 06 मार्च 2026
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

संक्षिप्त खबरें

टर्किश एयरलाइंस ने 2025 में मुख्य परिचालनों से 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर का लाभ दर्ज किया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः टर्किश एयरलाइंस ने चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद 2025 में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन करते हुए मुख्य परिचालनों से 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर का लाभ दर्ज किया। कंपनी के अनुसार वर्ष के दौरान कुल राजस्व 6.3 प्रतिशत बढ़कर 24.1 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जबकि चौथी तिमाही में राजस्व 12 प्रतिशत बढ़कर 6.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। इसी अवधि में मुख्य परिचालनों से लाभ 23 प्रतिशत बढ़कर 534 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। वर्ष 2025 में कंपनी की ब्याज, कर, मूल्यह्रास, परिशोधन और किराया से पहले की आय का मार्जिन 23.7 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो कंपनी के दीर्घकालिक लक्ष्य से अधिक है। भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक अनिश्चितताओं और विमान आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद टर्किश एयरलाइंस ने स्थिर वृद्धि बनाए रखी और वर्ष के अंत तक अपने बेड़े को 5 प्रतिशत बढ़ाकर 516 विमानों तक पहुंचा दिया। कंपनी ने 92.6 मिलियन यात्रियों और 2.2 मिलियन टन कार्गो का परिवहन कर अपने इतिहास का सर्वोच्च परिचालन प्रदर्शन दर्ज किया। यात्री परिचालन से राजस्व में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि कार्गो वॉल्यूम में 16.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ कार्गो राजस्व 3.4 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। कंपनी के चेयरमैन प्रो. अहमेत बोलाट ने कहा कि विविध राजस्व संरचना, रणनीतिक निवेश और वैश्विक नेटवर्क के विस्तार के कारण टर्किश एयरलाइंस तेजी से बदलते व्यावसायिक और भू-राजनीतिक माहौल में भी मजबूत प्रदर्शन कर रही है और आने वाले वर्षों में विमानन क्षेत्र के सतत विकास में अपना योगदान और बढ़ाएगी।

सारंडा में आईईडी विस्फोटक बरामद,मौके पर ही किया गया डिफ्यूज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा में चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस,आईईडी मिला, जिसे बम निरोधक दस्ते की मदद से सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया। बताया जाता है कि जराईकेला थाना क्षेत्र के एदेलबेड़ा से बाबूडेरा जाने वाली सड़क के किनारे सर्च ऑपरेशन के दौरान ये बरामदगी हुई। तलाशी अभियान में शामिल जवानों ने सड़क किनारे संदिग्ध वस्तु देखी, जिसके बाद इलाके को घेर कर बम निरोधक टीम को बुलाया गया। विशेषज्ञों ने जांच के बाद पुष्टि की कि वह शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण था, जिसे मौके पर ही डिफ्यूज कर दिया गया।

अलग अलग सड़क हादसों में 56 घायल, 7की मौत, कुछ नाजुक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रांची में कई जगहों पर सड़क हादसों और अन्य दुर्घटनाओं ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। होली के दिन रिम्स इमरजेंसी में घायलों की भारी भीड़ जमा हो गई। होली पर कुल 56 घायलों को इलाज के लिए रिम्स लाया गया जिनमें से 7 लोगों की अस्पताल पहुंचते ही मौत हो गई। कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। अभी 38 मरीजों का रिम्स में इलाज चल रहा है जिनमें से चार-पांच मरीजों की हालत नाजुक है।रिम्स की इमरजेंसी में तैनात डॉक्टरों की मानें तो अधिकांश मामले सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित हैं। होली के दिन शराब पीकर गाड़ी चलाना, तेज रफ्तार और लापरवाही इन हादसों के मुख्य कारण रहे। अलग-अलग इलाकों से घायलों को एंबुलेंस और निजी गाड़ियों के जरिए रिम्स के ट्रॉमा सेंटर और इमरजेंसी वार्ड में लाया गया है। इससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी देखी गई। राहत की बात यह कि अस्पताल प्रशासन ने पहले ही इमरजेंसी सेवाओं को अलर्ट पर रखा था।

वेंडर-वेजिटेबल मार्केट में लगेगी पर्यावरण अनुकूल कैरी बैग उत्पादन यूनिट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रांची को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में रांची नगर निगम ने नई पहल शुरू की है। इसके तहत शहर में पर्यावरण अनुकूल विकल्प उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रांची नगर निगम की ओर से अटल स्मृति वेंडर मार्केट और नागा बाबा वेजिटेबल मार्केट में नॉन वूवन कैरी बैग उत्पादन यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव है। इसे लेकर गुरुवार को प्रशासक सुशांत गौरव की अध्यक्षता में बैठक की गई। जिसमें यूनिट के संचालन, उत्पादन, मार्केटिंग, मांग-आपूर्ति और प्रशिक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान यूनिट के संचालन के लिए एरिया लेवल फेडरेशन (एएलएफ) और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की दो टीमों का गठन भी किया गया।प्रशासक ने कहा कि मशीन संचालन शुरू होने से पहले सभी महिलाओं को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाए। साथ ही उत्पादित बैग की गुणवत्ता, बाजार की मांग-आपूर्ति और आर्थिक पहलुओं का नियमित आकलन करने को कहा।उन्होंने बताया कि डे-एनयूएलएम योजना के तहत शुरू की जा रही यह पहल महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता का अवसर देगी। साथ ही शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प को बढ़ावा मिलेगा। नॉन वूवन कैरी बैग टिकाऊ और किफायती होने के कारण पर्यावरण के लिए बेहतर विकल्प माने जाते हैं। बैठक में अपर प्रशासक संजय कुमार, उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू, सहायक प्रशासक निकेश कुमार, नगर अभियान प्रबंधक, एएलएफ प्रतिनिधि और स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित थीं।

बाहा पर्व हमारे समाज का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण पव:जीबा माझी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : आदिवासी दिशोम जाहेर गाढ़ समिति राजनगर की ओर से दिशोम जाहेर गाढ़ में पारंपरिक हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ बाहा बोंगा पर्व मनाया गया। इस अवसर पर आदिवासी परंपरा के अनुसार प्रकृति की पूजा-अर्चना की गई और गांव समाज की सुख-समृद्धि की कामना की गई।

पर्व की शुरूआत नायके बाबा बिशु हेम्ब्रम एवं कुडाम नायके बाबा शिशु राम टुडू के नेतृत्व में की गई।इस दौरान मारंग बुरू और जाहेर आयो की सखुआ एवं महुआ के फूलों से विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की गई।पूजा के दौरान ग्रामीणों ने अपने इष्ट देवताओं से गांव में सुख-शांति, समृद्धि, महामारी और रोगों से मुक्ति, समय पर मौसम का आगमन, अच्छी वर्षा तथा किसानों की अच्छी फसल के लिए प्रार्थना की।पूजा अनुष्ठान के क्रम में पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार मुर्गे की बलि भी दी गई।इसके बाद मुर्गे की खिचड़ी बनाकर सामूहिक रूप से प्रसाद के रूप में ग्रहण किया गया।नायके बाबा ने सखुआ के फूल को प्रसाद स्वरूप उपस्थित लोगों के बीच वितरित किया।महिलाओं ने सखुआ के फूल को अपने जूड़े में सजाया, जबकि पुरुषों ने इसे अपने कान में लगाया।

जाहेर थान परिसर में पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर बाहा नृत्य का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना रहा।कार्यक्रम के अंत में पारंपरिक सांस्कृतिक नृत्य-गान के साथ नायके बाबा को सम्मानपूर्वक उनके घर तक पहुंचाया गया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ बाहा बोंगा पर्व को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया।इस अवसर पर सांसद जोबा माझी, कालीपद सोरेन, प्रखंड प्रमुख आरती हांसदा, झामुमो बुद्धिजीवी मोर्चा जिलाध्यक्ष दुर्गा लाल मुर्मू, मुखिया रानी हांसदा, रामसिंह हेम्ब्रम, शेखर महाकुड़ आदि उपस्थित थे।मौके पर सांसद जोबा माझी ने कहा कि बाहा पर्व हमारे समाज का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण पर्व है।हमें इसे संजोकर रखना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी अपनी परंपरा और संस्कृति को इसी तरह बड़े गर्व के साथ मनाती रहें।कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष बीजू बास्के, धानु टुडू, सीताराम हांसदा, मुनीराम हेम्ब्रम, अनिल मुर्मू, समसर मुर्मू, सुनील टुडू, सुराज टुडू, अनिल टुडू गंगाराम हेम्ब्रम, किसुन हेम्ब्रम, सुखलाल मुर्मू, भक्तू मार्डी, मैदास टुडू फातु मुर्मू, मंगल सोरेन, विशाल हांसदा, मनोज मुर्मू , मेघराय मार्डी आदि का सराहनीय योगदान रहा।

इलाज के लिए डॉक्टर मांगे पैसे, सदर अस्पताल पहुंच कर नप अध्यक्ष ने चिकित्सक को लगाई फटकार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला सदर अस्पताल के नेत्र चिकित्सक डॉ पीएम बाड़ा के द्वारा इलाज के लिए मरीज से पैसे की मांगने की सूचना पर गुरुवार को सरायकेला नगर पंचायत अध्यक्ष मनोज चौधरी सदर अस्पताल पहुंचे।उन्होंने मरीज और उसके परिजनों से मामले की जानकारी ली और डॉक्टर को फटकार लगाई।नप अध्यक्ष चौधरी ने अस्पताल उपाधीक्षक डॉ नकुल प्रसाद चौधरी से मिलकर नेत्र चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।नप अध्यक्ष ने बताया कि खरसावां प्रखंड के रामपुर निवासी अरुण महतो अपने मैजिक वाहन में काम करने के दौरान उसके आंख में चोट लग गई।परिजनों द्वारा अरुण को सरायकेला सदर अस्पताल के नेत्र चिकित्सक डॉ पीएम बाड़ा के पास लाया गया।डॉक्टर ने मरीज की जांच करने के उपरांत बताया कि इसका इलाज सरायकेला में स्वभाव नहीं है,लेकिन अगर मरीज 15 हजार रूपए दे तो उसका उपचार किया जाएगा।मरीज के परिजनों ने इसकी सूचना नगर पंचायत अध्यक्ष मनोज चौधरी को दी।सूचना पर सदर अस्पताल पहुंचे और नेत्र चिकित्सक से इस संबंध में जानकारी ली।बताया कि जानकारी के क्रम में डॉक्टर साहब के मुंह से शराब की गंध आ रही थी जिस पर फटकार लागते हुए कर्तव्य बोध कराया गया।मनोज चौधरी ने बताया कि मरीज से सदर अस्पताल डॉक्टर द्वारा इलाज के लिए पैसा मांगा जा रहा है,जब चिकित्सक से बात कराने को कहा गया तो चिकित्सक के द्वारा उनके साथ अभद्रता से बात किया गया।इस दौरान झामुमो जिला उपाध्यक्ष भोला महंती,प्रखंड अध्यक्ष सुरेश हेम्ब्रम, पार्षद अविनाश कवि के साथ अन्य लोग मौजूद थे।

बीआईटी मेसरा में रूट्स टू रेनैसां कार्यशाला शुक्रवार से

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : बीआईटी मेसरा में कला, संस्कृति, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सतत उद्यमिता पर आधारित राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन होने जा रहा है। तीन दिवसीय कार्यशाला का मुख्य विषय रूट्स टू रेनैसांः झारखंड की जनजातीय विरासत, नवाचार और डिजिटल उद्यमिता का समन्वय है। 6 से 8 मार्च तक चलने वाले इस कार्यक्रम में झारखंड की समृद्ध जनजातीय विरासत और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों पर गहन मंथन होगा। इसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, नीति-निमार्ता, सांस्कृतिक कार्यकर्ता और उद्यमी हिस्सा लेंगे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य यह चर्चा करना है कि मौखिक कथा परंपरा और हस्तशिल्प जैसी अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों को डिजिटल तकनीक व एआई की सहायता से किस प्रकार सुरक्षित और संरक्षित किया जा सकता है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग के निदेशक आसिफ एकराम होंगे, जबकि अध्यक्षता संस्थान के कुलपति प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना करेंगे।कार्यशाला के दौरान झारखंड की जनजातीय संस्कृति पर केंद्रित सांस्कृतिक आदान-प्रदान के सत्र भी आयोजित होंगे। विभिन्न तकनीकी सत्रों के माध्यम से लोककथाओं, क्षेत्रीय बोलियों और पारंपरिक संगीत के डिजिटल दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया समझाई जाएगी। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक मृदा-शिल्प (मिट्टी के बर्तन) कला का प्रदर्शन, मोटे अनाज (मिलेट्स) आधारित पारंपरिक खाद्य प्रणालियों पर चर्चा और मौखिक इतिहास को सहेजने के व्यावहारिक गुर भी सिखाए जाएंगे।

सिगरेट नहीं मिलने पर दुकान में लगायी आग, 80 हजार नगद सहित छह लाख के सामान जलकर खाक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : पलामू जिले के सदर थाना क्षेत्र के सुआ गांव के निराला टोला में बुधवार की देर रात्रि में युवाओं ने सिगरेट नहीं देने पर आक्रोश में दुकान में आग लगा दिया।इस घटना में दुकान में रखे 80 हजार नगद सहित छह लाख का सामान जलकर खाक हो गया। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ओमप्रकाश को गिरफ्तार कर लिया है। इस कांड में शामिल एक नाबालिक को निरुद्ध किया गया है। इस संबंध में दुकान संचालक राजेश कुमार गुप्ता ने सदर थाना में आरोपियों के विरूद्ध नामजद मामला दर्ज कराया है।पीड़ित राजेश ने बताया कि बुधवार की रात्रि करीब 11 बजे गांव के ही रितिक सिंह ने फोन कर सिगरेट मांगा।उसे बोला गया कि दुकान में सिगरेट नहीं है जिसके बाद रात्रि के करीब साढ़े बारह बजे आरोपी रितिक सिंह सहित अन्य लोग दुकान पर पहुंचकर दुकान का शटर पीटने लगे।दुकानदार व परिवार के लोग बाहर निकले, तो आरोपी सिगरेट की मांग करने लगा। राजेश ने कहा कि सिगरेट नहीं है जिसके बाद नाराज होकर मारपीट करने लगे। जिसके बाद दुकान में आग लगा दी।परिवार के लोगों के द्वारा फायर ब्रिगेड को फोन कर बुलाया गया।रात्रि करीब तीन बजे फायर ब्रिगेड के आने के बाद आग पर काबू पाया गया। रात्रि में सदर थाना पुलिस भी आग बुझाने में मदद की। राजेश ने बताया कि उसके छोटे भाई की 11 मार्च को शादी है जिस कारण शादी का सामान भी रखा हुआ था। कपड़ा, जूता चप्पल, सिंगार स्टोर दुकान था, वह सभी जल गया। बताया कि दुकान के पीछे कपड़े से घेरा किया गया था।वह भी उन लोगों के द्वारा जला दिया गया है।उन्होंने बताया कि बड़ी मुश्किल से दुकान संचालित कर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। सदर थाना प्रभारी लालजी ने बताया कि एक युवक को गिरफ्तार किया गया है जबकि एक नाबालिक को निरुद्ध किया गया है।इस कांड में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पांच लाख का ब्राउन शुगर के साथ तीन गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : ऑपरेशन नारकोस के तहत टाटानगर आरपीएफ ने बड़ी कार्रवाई की है जहां तीन ब्राउन शुगर तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ, चक्रधरपुर मंडल के निर्देश पर विशेष अभियान ह्लऑपरेशन नारकोसह्व के तहत तीन ब्राउन शुगर तस्करों को गिरफ्तार किया गया।आरपीएफ की उड़नदस्ता टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि स्टेशन परिसर में कुछ लोग ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। सूचना का सत्यापन करने के बाद टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्टेशन परिसर में छापेमारी की। इस दौरान तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर तलाशी ली गई, जिसमें उनके पास से ब्राउन शुगर बरामद हुई।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुस्तकीम अंसारी उर्फ रतन (निवासी किताडीह), बसंत उपाध्याय उर्फ डेफिनिटी (निवासी कैरिज कॉलोनी, बमार्माइन्स) तथा राहुल कुमार डे (निवासी गोलमुरी खालसा क्लब क्षेत्र) के रूप में की गई है। तलाशी के दौरान कुल 28 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद हुई, जिसका कुल वजन 3.56 ग्राम पाया गया।प्राथमिक पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि मुस्तकीम अंसारी उर्फ रतन ब्राउन शुगर को आदित्यपुर क्षेत्र से लाकर स्टेशन परिसर में बसंत उपाध्याय उर्फ डेफिनिटी और राहुल कुमार डे को बेचने आया था। इसी दौरान आरपीएफ की टीम ने तीनों को रंगे हाथों पकड़ लिया।कार्रवाई के दौरान आरोपियों के पास से तीन मोबाइल फोन और 4330 रुपये नकद भी बरामद किए गए। जब्त की गई ब्राउन शुगर की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 3,56,000 रुपये बताई गई है। वहीं अन्य सामान सहित कुल बरामदगी की कीमत लगभग 4,20,330 रुपये आंकी गई है।

तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकराई,एक की मौत, एक घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : गुमला में होली के दिन बुधवार की दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 45 वर्षीय जगदीश दास की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि 25 वर्षीय पंकज कुमार गंभीर रूप से घायल है।दोनों मूल रूप से बेगूसराय के निवासी हैं और वर्तमान में गुमला में किराये के मकान में रहकर टाइल्स मिस्त्री का काम करते थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों गुमला के कोटाम क्षेत्र में टाइल्स लगाने का काम कर रहे थे।बुधवार को होली पर्व को लेकर वे अपनी बाइक से दोपहर करीब साढ़े बारह बजे कोटाम से गुमला लौट रहे थे। इसी दौरान कोटाम और पनसो के बीच पेट्रोल पंप के समीप उनकी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकरा गयी। हादसा इतना भीषण था कि जगदीश दास की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि पंकज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को दोपहर करीब एक बजे सदर अस्पताल पहुंचाया गया।जहां चिकित्सकों ने जगदीश दास को मृत घोषित कर दिया।शव को अस्पताल के शीतगृह में रखा गया।वहीं घायल पंकज कुमार का प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गयी। गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंप दिया गया।

एसआइआर पर बीजेपी का राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सात मार्च को दिल्ली में, झारखंड के नेता होंगे शामिल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय में सात मार्च को एसआइआर विषय पर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय स्तरीय प्रशिक्षण बैठक आयोजित की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के निर्देश पर झारखंड से छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल इस शिविर में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना होगा। इस टोली में जमशेदपुर महानगर के पूर्व जिलाध्यक्ष सह प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दिनेश कुमार को भी स्थान दिया गया है। झारखंड से इस विशेष प्रशिक्षण में पूर्व विधायक भानुप्रताप शाही, पूर्व विधायक अमित मंडल, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, प्रदेश मंत्री सुनीता सिंह, दिनेश कुमार और रांची के पूर्व जिलाध्यक्ष सत्यनारायण सिंह भाग लेंगे।पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस शिविर का मुख्य उद्देश्य एसआइआर विषय पर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करना और संगठनात्मक स्तर पर व्यापक रणनीति बनाना है।प्रशिक्षण के माध्यम से नेताओं को आगामी समय में पार्टी की गतिविधियों को अधिक प्रभावी और तकनीक आधारित ढंग से संचालित करने के गुर सिखाए जाएंगे। संगठन की मजबूती और चुनावी रणनीतियों के लिहाज से इस राष्ट्रीय बैठक को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कोडरमा में होली पर डीजे बजाने को लेकर बवाल, एक दर्जन घायल, 8 गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : कोडरमा के डोमचांच प्रखंड स्थित वनपोक गांव में बुधवार की शाम होली के जश्न के दौरान डीजे बजाने और रास्ते के विवाद को लेकर दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से लाठी-डंडे चले और जमकर पत्थरबाजी हुई जिसमें एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 8 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मौके से डीजे भी जब्त कर लिए हैं। गांव में शांति बनाए रखने की कोशिशें जारी हैं।बताया जाता है कि बुधवार की शाम को होली के दौरान डोमचांच प्रखंड के नवलशाही थाना क्षेत्र के वनपोक गांव में एक घर के समीप डीजे बजाया जा रहा था। दूसरे पक्ष के लोग भी डीजे बजाते हुए गुजर रहे थे। इसी दौरान रास्ते को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई जो देखते ही देखते मारपीट में तब्दील हो गई।-विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने लगे और भीड़ में किसी ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस मारपीट में दर्जनभर से अधिक लोग घायल हो गए। इस बवाल को लेकर गुरुवार को थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गई। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इसमें दर्जनभर से अधिक लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस ने 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों डीजे को जब्त कर लिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

फतेहपुर इलाके में रंग-गुलाल से सराबोर हुई होली, मस्ती के रंग में रंगे रहे बच्चे व युवा

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड क्षेत्र में होली का त्योहार काफी धूमधाम से सौहार्दपूर्ण वातावरण में भाईचारे के साथ मनाया गया। बड़े-छोटे सभी रंग-गुलाल से सराबोर हो होली के मस्ती में रंगे रहे। लोग गीले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाया और गले मिल होली की बधाई दी। लोगों ने एक-दूसरे के घरों में भी जाकर होली की खुशियां बांटा। बच्चे भी रंग-गुलाल से सराबोर हो होली की मस्ती में रंगे रहे। इधर, सोमवार की रात एक बजे के बाद होलिका दहन किया गया। होलिका दहन के दौरान लोग ढोल-बाजे के साथ फतेहपुर बभनटोली, रामरायचक, बड़ा बाजार, शीतलपुर, मार्केट रोड आदि का भ्रमण करते हुए होलिका दहन के लिए पहुंचे। इस दौरान लोग होली गीतों पर जमकर थिरके और खुशियों में डूबे रहे। होली के दूसरे दिन मंगलवार को आतर रहा और बुधवार को होली मनाया गया गया। होली के तीसरे दिन गुरुवार को बुढ़वा होली मनाया गया। लोगों द्वारा ढोल-बाजे के साथ झुमटा निकाला गया। इसमें शामिल लोग रंग-गुलाल से पूरी तरह सराबोर रहे। इसके साथ ही कई जगहों पर मटका भी फोड़ा गया। इधर, होली के दौरान शांति व विधि व्यवस्था बनी रहे इसे लेकर पुलिस प्रशासन इलाके में पूरी तरह से चौकस बने रहे। एसडीपीओ सुनील कुमार पांडेय के नेतृत्व में पुलिस अधिकारी और बल सड़कों पर लगातार गश्त लगाती रही। चौक चौराहों पर भी पुलिस तैनात रही। इससे होली पर्व शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।

लनामिवि में फणीश्वरनाथ रेणु जयंती पर संगोष्ठी आयोजित

दरभंगा, (एजेंसी) : फणीश्वरनाथ रेणु की जयंती के अवसर पर ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के तत्वावधान में रेणु साहित्य में ग्रामीण संस्कृति विषयक आभासी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग सौ प्रतिभागियों ने भाग लिया। संचालन शोधार्थी समीर ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन शोधार्थी दुगार्नंद ठाकुर ने किया।

अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. उमेश कुमार ने कहा कि रेणु ग्रामीण संस्कृति के सबसे बड़े संवाहक रहे हैं और उनका साहित्य लोकजीवन का जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जब भी ग्रामीण संस्कृति के संदर्भों की तलाश होगी, तब अनिवार्य रूप से रेणु के साहित्य की ओर देखना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि रेणु ने ग्रामीण जीवन को बिना किसी कृत्रिम रोमांटिकता के यथार्थ रूप में प्रस्तुत किया है। उदाहरण स्वरूप उनके प्रसिद्ध उपन्यास परती परिकथा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें कोसी नदी और बाढ़ की त्रासदी के बीच मानवीय जिजीविषा का सशक्त चित्रण मिलता है।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद सुमन ने कहा कि रेणु का साहित्य ग्रामीण संस्कृति की धड़कन है और उनकी आंचलिकता में लोकजीवन की गहरी संवेदना समाहित है। वहीं विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. मंजरी खरे ने कहा कि रेणु ने आंचलिकता के माध्यम से वैश्विकता को स्पर्श किया है।

संगोष्ठी में विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापक एवं शोधार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में शोधार्थी खुशबू कुमारी, सूफिया खातून, निशा कुमारी, रूपक कुमार, मलय नीरव, बबीता कुमारी, स्नेहा, विद्यासागर ठाकुर, दर्शन, अंशु कुमारी, कंचन रजक, जय प्रकाश, रोहित कुमार पटेल, अमित कुमार, संध्या राय, अपर्णा कुमारी, मालविका, बेबी कुमारी, रूबी कुमारी, धीरज कुमार, मिल्टन, स्नेहा एवं मोहक सहित अन्य प्रतिभागी शामिल रहे।

मुख्यमंत्री के निर्णय का किया स्वागत

भागलपुर, (एजेंसी) : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्यसभा सदस्य के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जदयू के कार्यकारी जिलाध्यक्ष विवेकानंद गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमारे सर्वमान्य नेता हैं और उनका हर निर्णय पार्टी तथा बिहार के हित में होता है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का राजनीतिक अनुभव, दूर-दर्शिता और नेतृत्व क्षमता पूरे देश में सम्मान के साथ देखी जाती है। उनके मार्गदर्शन में बिहार ने विकास, सुश-ासन और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। वे बिहार की जनता के बीच अत्यंत लोकप्रिय और सर्वमान्य नेता के रूप में स्थापित हैं। मुख्यमंत्री का जो भी निर्णय होता है, वह गहन विचार-विमर्श और राज्य तथा देश के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए लिया जाता है। इसलिए उनका हर निर्णय स्वागत योग्य है और हम उनके फैसलों का सम्मान करते हैं। जदयू जिला प्रवक्ता शैलेन्द्र तोमर ने कहा कि चाहे महिलाओं के सशक्तिकरण की बात हो, दलित, अल्पसंख्यक एवं अति पिछड़ों के सम्मान की बात हो या युवाओं के विकास की–माननीय मुख्यमंत्री जी ने हर क्षेत्र में विकास को एक नई दिशा और आयाम दिया। उनके नेतृत्व में बिहार में भयमुक्त वातावरण स्थापित हुआ, जिससे आम लोगों में सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत हुई। नीतीश कुमार का मुख्यमंत्रित्व काल वास्तव में बेमिसाल रहा है। बिहार की जनता उन्हें सदैव विकास पुरुष के रूप में याद रखेगी। केराज्यसभा में बिहार का प्रतिनिधित्व करने का उनका निर्णय दूरदर्शी है और उनका अनुभव देश के उच्च सदन को भी नई दिशा देगा। उनका राज्यसभा का सफर भी बिहार के लिए गौरवशाली रहेगा।

नीतीश ने राज्यसभा के लिए दाखिल किया नामांकन

10 अप्रैल तक बने रहेंगे बिहार के मुख्यमंत्री

पटना(एजेंसी) : बिहार विधानसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, नितिन नवीन, रामनाथ ठाकुर, उपेंद्र कुशवाहा और शिवेश कुमार ने राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया। गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा जदयू के वरिष्ठ नेता नामांकन कार्यक्रम में शमिल हुए। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक, नीतीश कुमार 10 अप्रैल तक बिहार के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। कारण कि 10 अप्रैल तक राज्यसभा का कार्यकाल है। नया टर्म इसके बाद ही शुरू हो रहा है। इससे साफ है कि जब तक नीतीश कुमार उच्च सदन नहीं पहुंच जाते। तब तक वह बिहार के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। ऐसे में जदयू की कमान किसके हाथ में जाएगी, इसे लेकर अभी कुछ साफ नहीं है। कहा जा रहा है नीतीश के बेटे को कमान दी जा सकती है।

नीतीश कुमार वर्ष 2005 से बिहार के मुख्यमंत्री हैं। नीतीश ने कहा कि राज्य में नए मुख्यमंत्री और राज्य की नयी सरकार को उनका पूरा सहयोग और मार्गदर्शन मिलेगा। उन्होंने कहा, दो दशकों से अधिक समय तक आपने लगातार मुझ पर विश्वास और समर्थन जताया है। उसी विश्वास की ताकत से हमने बिहार और आप सभी की पूरी निष्ठा के साथ सेवा की है। आपके भरोसे और समर्थन की शक्ति से ही आज बिहार विकास और गरिमा की एक नयी पहचान प्रस्तुत कर रहा है। नीतीश कुमार ने राज्य के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अपने संसदीय जीवन की शुरूआत से ही उनकी इच्छा रही है कि वह बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों के साथ-साथ संसद के दोनों सदनों के भी सदस्य बनें। उन्होंने एक्स पर कहा] इसी आकांक्षा को ध्यान में रखते हुए मैं इस बार होने वाले चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनने की इच्छा रखता हूं। उन्होंने कहा, मैं पूरी ईमानदारी के साथ आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि भविष्य में भी आपसे मेरा संबंध बना रहेगा और विकसित बिहार के निर्माण के लिए आपके साथ मिलकर काम करने का मेरा संकल्प अडिग रहेगा। राज्य में बनने वाली नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग और मार्गदर्शन मिलेगा।

बिहार के नवगछिया में खून से रंगी होली, तीन दोस्तों को मारी गोली

पटना,(एजेंसी) : बिहार के नवगछिया में होली के दौरान एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। बुधवार और गुरुवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों में तीन युवकों को गोली मार दी गई, जिसमें दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की हालत नाजुक होने पर उसे भागलपुर के मायागंज अस्पताल से पटना रेफर कर दिया गया है।

मृतकों की पहचान गुलशन कुमार और धीरज कुमार के रूप में हुई है, जबकि घायल युवक अजेश कुमार बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, दोनों मृतकों के शव नवगछिया थाना क्षेत्र के तेतरी स्थित कलबलिया धार के पास से बरामद किए गए। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। बताया जा रहा है कि तीनों युवक आपस में दोस्त थे और खगड़िया जिले के पसराहा थाना क्षेत्र के भौरकाठ गांव के निवासी थे। मृतक गुलशन कुमार के भाई मिथलेश मंडल के अनुसार, होली के मौके पर गुलशन अपनी पत्नी और दो दोस्तों के साथ स्माइलपुर थाना क्षेत्र के मोरकहिया स्थित ससुराल आया था। पत्नी को ससुराल छोड़ने के बाद तीनों युवक अपने मौसिया ससुराल बोरवा गए थे।बताया गया कि वहां से गुरुवार शाम करीब चार बजे वे निकले थे, लेकिन देर रात तक घर नहीं पहुंचे। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद रातभर खोजबीन की गई, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। इसी बीच घायल अजेश कुमार ने फोन कर परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे नवगछिया के कलबलिया धार के पास सड़क किनारे दोनों युवकों के शव बरामद किए गए।

नीतिश कुमार के राज्यसभा नामांकन पर अश्विनी चौबे ने दी बधाई

भागलपुर, (एजेंसी) : पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने नीतिश कुमार द्वारा राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किए जाने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। चौबे ने कहा कि उनके साथ कई दशकों तक कार्य करने का उन्हें सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आज उनके साथ बिताए संघर्षपूर्ण और प्रेरणादायी क्षणों को स्मरण कर मन भावुक हो उठता है। जेपी आंदोलन के समय उन्होंने कंधे से कंधा मिलाकर कार्य किया और तत्कालीन अराजक शासन के विरुद्ध संघर्ष करते हुए लोकतंत्र की रक्षा के लिए आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई।उन्होंने कहा कि बाद के वर्षों में जब बिहार को अराजकता और अव्यवस्था से मुक्त कराने का समय आया, तब भी उन्होंने नीतीश कुमार के नेतृत्व में कंधे से कंधा मिलाकर कार्य किया। उस संघर्ष के दौरान कई बार लाठियाँ भी खाईं, लेकिन बिहार को बेहतर दिशा देने का संकल्प कभी कमजोर नहीं पड़ा। लंबे संघर्ष के बाद वर्ष 2005 में जब नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, तभी विकसित और समृद्ध बिहार की परिकल्पना साकार होने लगी।अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि उन्हें उनके मंत्रिमंडल में रहकर विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी निभाने और बिहार के विकास में योगदान देने का अवसर मिला। उनके नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण पहलें और यात्राएँ संचालित की गईं, जैसे ग्राम गौरव यात्रा और लोहिया स्वच्छता अभियान, जिनके माध्यम से समाज में जागरूकता और विकास का संदेश पहुँचा।

उन्होंने कहा कि आज बिहार में शिक्षा, रोजगार, बिजली, सड़क, पानी, आधुनिक सेवाएँ तथा अनेक जनकल्याणकारी योजनाएँ जिस रूप में दिखाई दे रही हैं, वह नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच और सशक्त नेतृत्व का परिणाम है। उनके नेतृत्व में बिहार निरंतर विकास और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

गांवों में सादगी और भाईचारे के साथ मनाया गया होली का पर्व

गया जी(एजेंसी) : गया जिले के फतेहपुर प्रखंड सहित आसपास के विभिन्न गांवों में होली का त्योहार सादगी, उल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से ही लोगों के बीच उत्साह का माहौल देखा गया। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी एक-दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं देते नजर आए। ग्रामीण इलाकों में होली के अवसर पर लोगों ने पारंपरिक तरीके से त्योहार मनाया। कई स्थानों पर होलिका दहन के बाद गांव के लोग एक-दूसरे के घर जाकर अबीर-गुलाल लगाते हुए खुशियां साझा करते रहे। महिलाएं भी घरों में पारंपरिक पकवान बनाकर पर्व की खुशियों में शामिल हुईं।

फतेहपुर प्रखंड के विभिन्न गांवों में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस की भी नजर बनी रही। हालांकि कहीं से भी किसी तरह की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। लोगों ने शांतिपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाते हुए आपसी सद्भाव और भाईचारे का संदेश दिया। वरिष्ठ पत्रकार रहे स्वर्गीय शिव बालक सिंह के आवास पर होली और परिवार का स्वरूप के साथ संयुक्त रूप से सादगी रूप से एकता और भाईचारे का संदेश स्वरूप होली का त्यौहार मनाया गया। इस अवसर पर वरीय अधिवक्ता रंजीत कुमार ,केंद्रीय राजभाषा हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य और बिहार विधानसभा प्रेस सलाहकार समिति के सदस्य वरीय पत्रकार राजेश कुमार मिक्की,पत्रकार सुधीर कुमार, पत्रकार नीरज कुमार, फिल्म और टीवी अभिनेता अनूप कुमार सिंह ने होली पर लोगो को अपनत्व और भाईचारे का संदेश दिया। ग्रामीणों ने बताया कि होली का त्योहार आपसी प्रेम, एकता और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। इस अवसर पर लोग पुराने गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाते हैं और खुशियां बांटते हैं। पूरे दिन गांवों में हंसी-खुशी और उत्सव का माहौल बना रहा।

नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए भरा नामांकन, अमित शाह ने दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा नामांकन के लिए उन्हें बधाई दी। अमित शाह ने एक्स पर अपने संदेश में कहा कि एक लंबी राजनीतिक यात्रा में विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रहते हुए नीतीश कुमार के दामन पर कभी कोई दाग नहीं लगा। भ्रष्टाचार के एक भी आरोप के बिना इतना लंबा राजनीतिक सफर तय करना सिद्ध करता है कि नीतीश कुमार ने सार्वजनिक जीवन को किस तरह जिया है। बिहार के हर गांव, हर घर में बिजली पहुंचाने में भी नीतीश कुमार का बहुत बड़ा योगदान रहा। नीतीश कुमार हमेशा सादगी, शुचिता और सार्वजनिक जीवन के उच्चतम मूल्यों के पक्षधर रहे हैं और उन्होंने इनका अक्षरशः पालन भी किया है।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों तक बिहार को हर प्र-कार से आगे ले जाने में नीतीश कुमार का बहुत बड़ा योगदान है। उनके नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भेजी हुई सभी योजनाएं बिहार के जन-जन तक पहुंची हैं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार जी, 1974 के जयप्रकाश आंदोलन के प्रमुख नेता रहे हैं और तब से लेकर आज तक उन्होंने पूरा जीवन लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी के सिद्धांतों पर बिताने का प्रयास किया। आज फिर से एक बार वह राज्यसभा के सांसद के नाते दिल्ली आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के तौर पर उनका जो कार्यकाल रहा, बिहार के लोग हमेशा उसे याद भी रखेंगे और उसका सम्मान भी करेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने लंबे राजनैतिक जीवन में जेपी के आदर्शों का पालन करते हुए बिहार में विकास की नई इबारत लिखने का कार्य किया, बिहार की जनता उनके कार्यकाल को स्वर्णिम काल के रूप में सम्मान के साथ याद रखेगी।

उन्होंने कहा कि बिहार के विकास को सही मायनों में गति देने का कार्य नीतीश कुमार ने किया। उन्होंने अपने शासनकाल में बिहार को जंगलराज से मुक्त करने का काम किया, बिहार की सड़कों को बेहतर किया और उनसे गांवों को जोड़ा।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा नामांकन पर

डीआरएम ने अधिकारियों को दिया यात्री सुविधाओं में सुधार का निर्देश

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे जोन अंतर्गत डीडीयू रेल मंडल के डीआरएम उदय सिंह मीना ने गुरुवार को गया जंक्शन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेलवे अधिकारियों को यात्रियों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्टेशन पर आने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना रेलवे की मुख्य प्राथमिकता है।ड-ीआरएम अपने अधिकारियों के साथ अचानक गया जंक्शन पहुंचे और स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म तथा यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, टिकट काउंटर और प्रतीक्षालय की स्थिति की भी जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि यात्रियों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और स्टेशन पर व्यवस्थाएं बेहतर रखी जाएं।निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने प्लेटफार्म संख्या दो और तीन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। डीआरएम ने कहा कि गया जंक्शन महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है इसलिए यहां यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। निरीक्षण के दौरान रेल कंट्रक्शन विभाग और रेल कंट्रक्शन एजेंसी के अधिकारी सहित कई विभागों के अधिकारी भी उनके साथ मौजूद थे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने से जदयू कार्यकताओं में दिखा आक्रोश, ललन सिंह-संजय झा पर लगाया साजिश का आरोप

पटना, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार दोपहर राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल कर दिया । जिसके बाद कार्यकताओं में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। मुख्यमंत्री आवास से लेकर पार्टी कार्यालय तक जदयू कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया।

जदयू कार्यकताओं ने पटना स्थित जदयू कार्यालय में जमकर हंगामा किया। कार्यालय में रखे सामानों के साथ तोड़फोड़ की। ये कार्यकताओं ने पार्टी के बड़े नेताओं के खिलाफ नारेबाजी की। इनका गुस्सा केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और मंत्री विजय चौधरी सरीखे नेताओं पर ज्यादा रहा।

कार्यकर्ता लगातार 'ललन सिंह मुदार्बाद, संजय झा मुदार्बाद, विजय चौधरी मुदार्बाद, अशोक चौधरी मुदार्बाद, संजय गांधी मुदार्बाद' के नारे लगा रहे हैं। उन्होंने मीडिया से बातचीत में आरोप लगाते हुए कहा कि ये तमाम नेता भाजपा के साथ मिलकर पार्टी को खत्म करने की साजिश रच रहे हैं।जदयू कार्यकताओं की नाराजगी का आलम ये रहा कि कार्यालय में मौजूद विधान पार्षद सदस्य संजय गांधी के साथ धक्का-मुक्की भी की। कार्यकताओं ने उनको बाहर जाने से रोक दिया और लगातार उनके खिलाफ नारेबाजी करते रहे। काफी मशक्कत के बाद वह मेन गेट से बाहर निकल पाए।

होलिका दहन पर आरपीएफ के अलर्ट मोड में रहने से ...

गया-कोडरमा रेल सेक्शन में बिना बाधा होता रहा ट्रेनों का परिचालन

गया जी(एजेंसी) : होलिका दहन के अवसर पर गयाझकोडरमा रेल सेक्शन में रेलवे प्रशासन और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की ओर से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई। अति संवेदनशील माने जाने वाले इस रेलखंड पर दो दिनों तक हाई अलर्ट जारी रखते हुए विशेष अभियान चलाया गया। सख्त निगरानी और लगातार गश्त के कारण इस बार ट्रैक्शन तार पर जलती लुहाठी फेंकने की कोई घटना सामने नहीं आई और ट्रेनों का परिचालन पूरी तरह सामान्य बना रहा।रेलवे सूत्रों के अनुसार होलिका दहन के दौरान पहले कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा जलती लुहाठी को रेल ट्रैक्शन तार पर फेंक देने की घटनाएं सामने आती रही हैं। इससे ओवरहेड तार को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है और ट्रेनों का परिचालन बाधित हो जाता है। इसी आशंका को देखते हुए इस वर्ष पहले से ही सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।आरपीएफ की टीम ने गयाझकोडरमा रेलखंड के संवेदनशील स्थानों पर लगातार गश्त की। रेलवे ट्रैक के आसपास के क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी गई और स्थानीय लोगों को भी जागरूक किया गया कि वे इस तरह की गतिविधियों से दूर रहें तथा किसी भी संदिग्ध हरकत की सूचना तुरंत रेलवे या आरपीएफ को दें। कोडरमा आरपीएफ पोस्ट के इंस्पेक्टर दीपक कुमार के नेतृत्व में गुरपा आउट पोस्ट के प्रभारी सब इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार और आरपीएफ की टीम लगातार सक्रिय रही। कई स्थानों पर विशेष निगरानी दल तैनात किए गए थे। पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार ने बताया कि सख्त सुरक्षा व्यवस्था और जागरूकता अभियान का सका-रात्मक परिणाम मिला है। इस बार गया-कोडरमा सेक्शन में ट्रेनों का परिचालन बिना किसी बाधा के जारी रहा। उन्होंने कहा कि अभियान में बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों और जवानों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

संपादकीय

झूठ पर गढ़े गए युद्ध के निराधार और भ्रामक दावे

बातचीत के दौरान एक झूठ का सहारा लेकर इजराइल और अमेरिका ने जिस तरह से ईरान पर हमला किया, उसी वक्त तनाव के बीच का संघर्ष मानों बेलगाम युद्ध में तब्दील हो गया। अब पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध केवल मिसाइलों और बमों तक सीमित नहीं रह गया है, इसके समानांतर एक और खतरनाक युद्ध लड़ा जा रहा है, वह है सूचना और दुष्प्रचार की जंग। जब युद्ध के मैदान में धुआँ उठता है, तब अक्सर सच्चाई धुंध में छिप जाती है और अफवाहें, आधे-अधूरे तथ्य तथा झूठी खबरें जंगल में लगी आग की तरह तेजी से फैलने लगती हैं। भीड़ या समूह को भड़काने में इसका बेजा इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल हाल ही में एक अमेरिकी समाचार चैनल द्वारा यह दावा किया गया कि ईरान पर हमले के लिए अमेरिकी नौसेना भारतीय बंदरगाहों का उपयोग कर रही है। भारत के विदेश मंत्रालय ने तुरंत इस खबर का खंडन करते हुए इसे पूरी तरह झूठा और निराधार बताया। यह घटना बताती है कि युद्ध के समय भ्रामक सूचनाएँ किस प्रकार देशों के बीच अनावश्यक तनाव पैदा कर सकती हैं। दरअसल, अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता संघर्ष पहले ही बेहद संवेदनशील मोड़ पर पहुंच चुका है। हजारों लोगों की जान जा चुकी है और युद्धविराम की संभावना फिलहाल दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। ऐसे माहौल में अगर किसी तीसरे देश को बिना किसी प्रमाण के युद्ध से जोड़ दिया जाए, तो उसके गंभीर कूटनीतिक और रणनीतिक परिणाम हो सकते हैं। भारत के संदर्भ में यह और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत लंबे समय से पश्चिम एशिया में संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति अपनाता रहा है। भारत के ईरान, इजरायल और अमेरिका तीनों ही देशों से महत्वपूर्ण संबंध हैं। ऐसे में इस प्रकार के निराधार दावे भारत की तटस्थ और संतुलित नीति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास भी हो सकते हैं। खासतौर पर तब जबकि ईरान पर हमले से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे को लेकर तरह-तरह के भ्रामक दावे किए गए, बाद में इस पर भी स्पष्टीकरण आया और सभी दावे अफवाहें साबित हो गए। बहरहाल युद्ध के दौरान दुष्प्रचार का इस्तेमाल करना कोई नई बात नहीं है। इतिहास गवाह है कि युद्ध के समय प्रचार और मनोवैज्ञानिक रणनीतियाँ सैन्य हथियारों जितनी ही महत्वपूर्ण मानी जाती रही हैं। आज डिजिटल युग में यह प्रवृत्ति और अधिक खतरनाक हो गई है, क्योंकि सोशल मीडिया और 24 घंटे चलने वाले कुछ समाचार चैनलों के कारण गलत जानकारी पलक झपकते ही दुनिया भर में फैल जाती है।

जैसे उल्लू को सूर्य नहीं दिखाई देता वैसे ही दुष्ट को सौजन्य दिखाई नहीं देता।
: स्वामी भजनानंद

सबसे उत्तम विजय प्रेम की है जो सदैव के लिए विजेताओं का हृदय बाँध लेती है।
:सम्राट अशोक

राज्यसभा चुनाव 2026: बदलते समीकरण, नंबर गेम और बिहार की पांचवीं सीट पर सियासी शतरंज

साल 2026 का राज्यसभा चुनाव भारतीय राजनीति के लिए केवल नियमित संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि शक्ति संतुलन के पुनर्निर्धारण का वर्ष साबित हो सकता है। राज्यसभा की कुल 245 सीटों में से लगभग 72 से 75 सीटें वर्षभर में विभिन्न चरणों में रिक्त हो रही हैं। मार्च में 37 सीटों पर चुनाव प्रस्तावित हैं, जबकि शेष सीटों पर अप्रैल, जून, जुलाई और नवंबर में चुनाव होंगे। इन चुनावों का सीधा असर केंद्र की विधायी रणनीति और विपक्ष की प्रभावशीलता पर पड़ेगा, क्योंकि उच्च सदन में बहुमत का समीकरण कई महत्वपूर्ण विधेयकों की दिशा तय करता है।

फरवरी 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सदन में भाजपा के पास 103 सीटें, कांग्रेस के पास 27, तृणमूल कांग्रेस के 12, आम आदमी पार्टी के 10, द्रमुक के 10, बीजद के 7, वाईएसआरसीपी के 5 और अन्नाद्रमुक के 7 सदस्य हैं। सात सदस्य नामित श्रेणी में हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की कुल ताकत लगभग 121 के आसपास मानी जा रही है, जबकि विपक्षी इंडिया ब्लॉक करीब 80 सीटों के साथ मौजूद है। मौजूदा विधानसभा संरचनाओं को देखते हुए अनुमान है कि एनडीए को 7 से 9 सीटों का शुद्ध लाभ मिल सकता है, जिससे उसकी संख्या 140 के पार जा सकती है। इसके विपरीत, विपक्षी गठबंधन को लगभग पांच सीटों का नुकसान संभव है।

मार्च में जिन 37 सीटों पर चुनाव होंगे, वे महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना से संबंधित हैं। इन राज्यों की विधानसभा संरचना ही परिणामों का आधार बनेगी। राज्यसभा के चुनाव प्रत्यक्ष जनमत से नहीं, बल्कि निर्वाचित विधायकों के वोट से होते हैं। प्रत्येक राज्य में सीटों की संख्या और विधायकों की कुल संख्या के आधार पर ह्यकोटाह्न तय किया जाता है। सूत्र है—कुल विधायक संख्या को (सीटें + 1) से भाग देकर उसमें एक जोड़ दिया जाता है। यही न्यूनतम मत संख्या है, जो किसी उम्मीदवार को प्रथम वरीयता के आधार पर जीत के लिए चाहिए।

बिहार का उदाहरण इस गणित को स्पष्ट करता है। वहां विधानसभा में 243 सदस्य हैं और इस चरण में पांच सीटों पर चुनाव होना है। सूत्र के अनुसार 243 को 6 से भाग देने पर 40.5 आता है, उसमें एक जोड़ने पर कोटा 41.5 बनता है, जिसे व्यावहारिक रूप से 42 माना जाता है। एनडीए के पास 202 विधायक हैं। इस आधार पर वह चार सीटें सहजता से जीत सकता है, क्योंकि 202 को 42 से भाग देने पर चार पूर्ण कोटे बनते हैं। इसके बाद उसके पास 38 वोट शेष रहते हैं। पांचवीं सीट के लिए उसे कम से कम तीन अतिरिक्त विधायकों का समर्थन चाहिए। यही वह बिंदु है, जहां सियासी रणनीति और क्रॉस वोटिंग की संभावनाएं अहम हो जाती हैं।

बिहार में एनडीए के घटक दलों में भाजपा के 89 और जदयू के 85 विधायक हैं। इसके अतिरिक्त लोजपा (रामविलास), हम और अन्य सहयोगियों को मिलाकर संख्या 202 तक पहुंचती है। दूसरी ओर महागठबंधन में राजद के 25, कांग्रेस के 6 और वामदलों के तीन विधायक हैं। इनके अलावा पांच विधायक एआईएमआईएम और एक विधायक बसपा का है, जो किसी खेमे में औपचारिक रूप से शामिल नहीं हैं। महागठबंधन की कुल संख्या 35 है, जो एक सीट के लिए भी पर्याप्त नहीं। यदि विपक्ष एआईएमआईएम और बसपा का समर्थन जुटा ले, तब भी उसे कोटा पूरा करने के लिए अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता रहेगी। इसीलिए बिहार में पांचवीं सीट का मुकाबला केवल गणित नहीं, बल्कि राजनीतिक विश्वास और रणनीतिक तालमेल का प्रश्न बन गया है।

एनडीए की रणनीति स्पष्ट है कि वह चार सुनिश्चित सीटों के बाद पांचवीं पर भी दांव लगाए। इसके लिए बसपा के विधायक, महागठबंधन से जुड़े कुछ असंतुष्ट चेहरों या निर्दलीय समर्थन पर नजर है। वहीं विपक्ष भी यह समझता है कि यदि वह एकजुट होकर एक ही उम्मीदवार उतारे और अतिरिक्त समर्थन सुनिश्चित करे तो मुकाबला दिलचस्प हो सकता है। किंतु यदि विपक्षी खेमे से एक से अधिक प्रत्याशी मैदान में आते हैं, तो प्रथम वरीयता के वोटों के बंटवारे से एनडीए को लाभ मिल सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर भी यही गणित कई राज्यों में दोहराया जा रहा है। महाराष्ट्र में हालिया विधानसभा परिणामों ने एनडीए को बढ़त दी है, जिससे वहां अतिरिक्त सीट मिलने की संभावना है। ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भी क्षेत्रीय दलों की बदली ताकत का असर दिख सकता है। गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में विधानसभा में भाजपा की स्थिति मजबूत होने से विपक्ष की सीटें घट सकती हैं। कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में सीमित नुकसान की आशंका भी जताई जा रही है, परंतु कुल मिलाकर संतुलन एनडीए के पक्ष में झुकता दिखाई देता है।

इन चुनावों का एक मानवीय और प्रतीकात्मक पहलू भी है। कई वरिष्ठ नेताओं का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। कुछ के लिए पुनर्निर्वाचन कठिन प्रतीत हो रहा है, क्योंकि उनकी पार्टियों की विधानसभा शक्ति घटी है। राज्यसभा अक्सर उन नेताओं के लिए मंच रही है जो प्रत्यक्ष चुनाव नहीं लड़ते, किंतु राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रहते हैं। यदि विधानसभा गणित अनुकूल न रहा, तो कई अनुभवी चेहरों की वापसी असंभव हो सकती है। यह बदलाव केवल संख्या का नहीं, बल्कि संसदीय विमर्श की दिशा का भी संकेत होगा।

सत्य आकलन यह दशार्ता है कि राज्यसभा का चुनाव पूर्णतः अंकगणितीय प्रक्रिया है, किंतु राजनीति इसे जीवंत बना देती है। जहां संख्या स्पष्ट है, वहां परिणाम लगभग तय होते हैं; जहां अंतर कम है, वहां रणनीति निर्णायक हो जाती है। 2026 का परिदृश्य बताता है कि एनडीए अपनी बढ़त को और मजबूत करने की स्थिति में है, जबकि विपक्ष को समन्वित रणनीति और आंतरिक एकता पर अधिक ध्यान देना होगा। विशेषकर बिहार जैसे राज्यों में पांचवीं सीट का संघर्ष यह सिद्ध करेगा कि भारतीय संसदीय राजनीति में एक-एक विधायक का महत्व कितना अधिक है।

अंततः, राज्यसभा के ये चुनाव केंद्र सरकार की विधायी क्षमता, विपक्ष की प्रतिरोध शक्ति और क्षेत्रीय दलों की सौदेबाजी क्षमता—तीनों को प्रभावित करेंगे। यदि अनुमान सही साबित होते हैं और एनडीए 145 के आसपास पहुंचता है, तो उच्च सदन में उसकी स्थिति पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ होगी। इसके विपरीत, विपक्ष को अपनी राजनीतिक रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ेगा। इस प्रकार 2026 का राज्यसभा चुनाव केवल सीटों का फेरबदल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के अगले अध्याय की प्रस्तावना है।

कांतिलाल मांडोत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

वैश्विक दूध उत्पादन में भारत की लगभग 25 प्रतिशत हिस्सेदारी - उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि के बावजूद गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगे?

वैश्विक स्तरपर वर्तमान डिजिटल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में जहां एक ओर डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉकचेन ट्रेसबिलिटी और स्मार्ट सप्लाई चेन जैसी तकनीकें विकसित हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर खाद्य पदार्थों में मिलावट का संकट भी समानांतर रूप से बढ़ता दिखाई दे रहा है।यह विरोधाभास विशेष रूप से भारत जैसे विशाल उपभोक्ता बाजार में अधिक स्पष्ट है।त्योहारों का मौसममें विशेषकर होली के त्योहार से शुरू हो जाता है,मिठाइयाँ,घी खोआ और दूध की मांग को कई गुना बढ़ा देता है। ऐसे समय में खाद्य सुरक्षा नियामक संस्था भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा राज्यों को मिलावट रोकने हेतु सख्त निगरानी के निर्देश जारी करना इस संकट की गंभीरता को दशार्ता है। हाल ही में कुछ दिनों पूर्व जारी की गई एफएसएसएआई की मिल्क सर्विलांस रिपोर्ट में चौंकाने वाले निष्कर्ष आए है जिससे शासन प्रशासन को एक्शन लेना जरूरी हो गया है। हालिया मिल्क सर्विलांस रिपोर्ट 2025-26 में यह सामने आया कि लगभग 33 से 38 प्रतिशत दूध के नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे।इनमें पानी,डिटर्जेंट,यूरिया, न्यूट्रलाइजर और अन्य रासायनिक तत्वों की मिलावट पाई गई। कुछ पैकेटबंद दूध के नमूनों में कोलिफॉर्म बैक्टीरिया और टोटल प्लेट काउंट स्वीकार्य सीमा से कई गुना अधिक दर्ज किया गया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह केवल गुणवत्ता का प्रश्न नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए प्रत्यक्ष खतरा है। दूध, जो बच्चों, बुजुर्गों और रोगियों के लिए पोषण का प्रमुख स्रोत है, यदि संदूषित हो जाए तो इसका प्रभाव दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं के रूप में सामने आ सकता है। रिपोर्ट में क्षेत्रीय असमानता भी दर्ज की गई है।उत्तर भारत सबसे अधिक प्रभावित इसको समझने की करें तो रिपोर्ट के अनुसार उत्तर भारत में 47 प्रतिशत नमूने मानकों में विफल पाए गए, जो इसे सबसे असुरक्षित क्षेत्र बनाता है। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन की एक ताजा स्टडी में 330 नमूनों की जांच की गई, जिसमें से 70.6 प्रतिशत में गंभीर मिलावट पाईगई। मिलावट के मुख्य कारक इस प्रकार हैं:पानी:193 नमूनों में मात्रा बढ़ाने के लिए पानी मिलाया गया।-डिटर्जेंट (23.9 प्रतिशत):झाग बनाने और दूध को गाढ़ा दिखाने के लिए।यूरिया (9.1प्रतिशत):फैट और प्रोटीन की मात्रा को कृत्रिम रूप से बढ़ाने के लिए।विशेषज्ञों का कहना है कि कोलीफॉर्म और डिटर्जेंट युक्त दूध पीने से पेट में संक्रमण, किडनी की बीमारी और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे दूध खरीदने से पहले ब्रांड की लेटेस्ट लैब रिपोर्ट और एफएसएसएआई मार्क की जांच जरूर करें।पश्चिम भारत में यह आंकड़ा 23 प्रतिशत,दक्षिण भारत में 18 प्रतिशत और पूर्वी भारत में 13 प्रतिशत रहा।उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे बड़े दुग्ध उत्पादक राज्यों में मिलावट की घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है,जबकि तमिलनाडु और केरल जैसे दक्षिणी राज्यों में भी उल्लेखनीय मामलों की पुष्टि हुई।यह क्षेत्रीय असमानता संकेत देती है कि निगरानी, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और प्रवर्तन क्षमता में बहुत मात्रा मंड अंतर है।

साथियों बात अगर हम भारतः विश्व का सबसे बहुत बड़ा दूध उत्पादक फिर भी संकटग्रस्त इस्-।को समझने की करें तो सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025 में भारत का कुल दूध उत्पादन 24.8 करोड़ टन तक पहुंच गया है। पिछले 11 वर्षों में उत्पादन में 69.4 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। प्रति व्यक्ति उपलब्धता 485 ग्राम प्रतिदिन हो गई है, जो वैश्विक औसत (लगभग 328 ग्राम) से कहीं अधिक है। भारत वैश्विक दूध उत्पादन में लगभग 25 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। परंतु विडंबना यह है कि उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि के बावजूद गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मात्रा की दौड़ में गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र पीछे छूट गया है।हाल ही में ट्रस्टिफाइड नामक स्वतंत्र लैब टेस्टिंग प्लेटफॉर्म की रिपोर्ट में दावा किया गया कि कुछ प्रतिष्ठित पैकेज्ड दूध ब्रांड्स में कोलिफॉर्म बैक्टीरिया निर्धारित सीमा से 98 गुना तक अधिक पाया गया। इस खुलासे ने उपभोक्ताओं के विश्वास को झटका दिया है। डिजिटल युग में जहां उपभोक्ता जागरूकता सोशल मीडिया के माध्यम से तीव्रता से फैलती है,ऐसे खुलासे कंपनियों की ब्रांड वैल्यू और बाजार हिस्सेदारी को गहरा व भारी मात्रा में नुकसान पहुंचा सकते हैं।साथियों बात अगर हम दूध में मिलावटः केवल धोखाधड़ी नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य पर हमला इसको समझने की करें तो,दूध में पानी, डिटर्जेंट, यूरिया, स्टार्च या सिंथेटिक रसायन मिलाना न केवल आर्थिक धोखाधड़ी है बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम है। यूरिया और डिटर्जेंट जैसे तत्व गुर्दे, लीवर और पाचन तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं।कोलिफॉर्म बैक्टीरिया की उपस्थिति जलजनित रोगों और फूड पॉइजनिंग का संकेत देती है। बच्चों में यह संक्रमण, डायरिया और दीर्घकालिक कुपोषण का कारण बन सकता है।कानूनी ढांचाः कड़े प्रावधान, कमजोर क्रियान्वयन भारत में दूध मिलावट एक गंभीर दंडनीय अपराध है। फूड सेफ्टी एंड स्टैण्डर्ड्स एक्ट की धारा 59 के तहत असुरक्षित भोजन के लिए छह वर्ष तक की सजा और पांच लाख रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान है; मृत्यु होने पर आजीवन कारावास और न्यूनतम दस लाख रुपये जुमार्ना लगाया जा सकता है। धारा 51 सब-स्टैंडर्ड खाद्य के लिए पांच लाख तक जुमार्ना, धारा 52 गलत ब्रांडिंग के लिए तीन लाख तक जुमार्ना और धारा 53 भ्रामक विज्ञापन के लिए दस लाख तक जुमार्ना निर्धारित करती है।इसके अतिरिक्त इंडियन पेनल कोड की धारा 272 (खाद्य पदार्थ में मिलावट) और 273 (हानिकारक खाद्य की बिक्री) के तहत छह माह तक की सजा का प्रावधान है, जबकि धारा 420 के अंतर्गत धोखाधड़ी के लिए सात वर्ष तक की सजा हो सकती है।एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट के अंतर्गत भी आवश्यक वस्तु घोषित क्षेत्रों में अतिरिक्त कार्रवाई संभव है।कई राज्यों ने इसे गैर-जमानती अपराध बनाकर कठोर संशोधन किए हैं।क्रियान्वयन कीसबसे बढ़ी चुनौतीः प्रशासनिक ढिलाई या संरचनात्मक कमी?यद्यपि कानून सख्त हैं,परंतु विशेषज्ञों का मत है कि उनका क्रियान्वयन अपेक्षित कठोरता से नहीं हो पा रहा। निरीक्षण की संख्या, लैब परीक्षण क्षमता और अभियोजन की गति में सुधार की आवश्यकता है। कई मामलों में दोष सिद्धि दर कम रहती है, जिससे मिलावटखोरों में दंड का भय कम हो जाता है। लाइसेंस रद्द करना, प्रतिष्ठान सील करना और पुनरावृत्ति पर कठोर दंड जैसे प्रावधानों का प्रभावी उपयोग जरूरी है। साथियों बात कर हम क्या कुछ आलोचकों द्वारा आरोप कि दूध आयात की जमीन तैयार हो रही है? इसको समझने की करें तो कुछ विशेषज्ञों और राजनीतिक विश्लेषकों ने यह प्रश्न उठाया है कि बढ़ती मिलावट और गुणवत्ता संकट की चर्चा कहीं भविष्य में दूध आयात के लिए माहौल तैयार करने का प्रयास तो नहीं। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है,परंतु बढ़ती खपत और गुणवत्ता संबंधी चिंताओं ने इस बहस को जन्म दिया है।

किशन सनमुखदास भावनानीं

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7442

★★★★★ कठिनतम

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7441 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

दैनिक पंचांग

6 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.48 बजे से
चंद्र	कन्या में	मेष	08.18 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.58 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.56 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.10 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.26 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.38 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.48 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.03 ब.से
राहुकाल	10.30 से 12.00 बजे तक	धनु	01.19 बजे से
		मकर	03.24 बजे से
		कुंभ	05.11 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 65 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि तृतीया 17.54 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 09.30 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 07.06 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 17.54 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 05° 45'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872640
जूलियन दिन 2461105.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 16
विशेष भालचन्द्र संकष्टी, छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मुस्कान के सूत्रधार: सेहतमंद दांत और आपके आत्मविश्वास का राज

हमारा शरीर एक मशीन की तरह है और हमारे चेहरे की खूबसूरती हमारी मुस्कान से जुड़ी होती है। इस मुस्कान को बनाए रखने और दांतों को बीमारियों से बचाने का पूरा श्रेय हमारे दंत चिकित्सकों यानी डेंटिस्ट को जाता है। हर साल 6 मार्च का दिन विशेष रूप से उन डॉक्टरों को समर्पित है जो बड़ी मेहनत और बारीकी से हमारे दांतों की समस्याओं को ठीक करते हैं। यह दिन केवल डॉक्टरों को शुक्रिया कहने का ही नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि हमारे दांतों की सेहत कितनी जरूरी है। अक्सर लोग छोटी-मोटी बीमारियों के लिए तो डॉक्टर के पास चले जाते हैं, लेकिन दांतों के दर्द को मामूली समझकर टाल देते हैं। सच तो यह है कि हमारे पूरे शरीर की सेहत का रास्ता हमारे मुंह से होकर ही जाता है। अगर हमारा मुंह साफ नहीं होगा, तो शरीर का पूरी तरह स्वस्थ रहना बहुत मुश्किल है।

पुराने समय से ही दांतों का इलाज करने की परंपरा रही है, लेकिन आज के समय में यह तकनीक बहुत आगे बढ़ चुकी है। एक डेंटिस्ट का काम केवल खराब दांत निकालना या कैविटी भरना ही नहीं होता, बल्कि वे एक इंजीनियर की तरह हमारे जबड़े की बनावट को समझते हैं और एक कलाकार की तरह हमारे चेहरे की मुस्कान को सुंदर बनाते हैं। आज के दौर में बहुत से लोग अपने लुक को बेहतर बनाने के लिए डेंटिस्ट की मदद लेते हैं, जिससे न केवल वे सुंदर दिखते हैं बल्कि उनका सामाजिक आत्मविश्वास भी बढ़ता है। आजकल की बिगड़ती जीवनशैली हमारे दांतों की सबसे बड़ी दुश्मन बन गई है। बाहर का खाना, ज्यादा मीठी चीजें, कोल्ड ड्रिंक्स और तंबाकू का सेवन हमारे दांतों की जड़ों को कमजोर कर रहा है। डेंटिस्ट हमें बार-बार समझाते हैं कि दांतों की ऊपरी परत एक बार खराब हो जाए तो वह कुदरती रूप से दोबारा नहीं बनती।

मसूड़ों से खून आना या सांसों की बदबू जैसी समस्याएं केवल शर्मिंदगी ही नहीं लातीं, बल्कि डॉक्टरों का मानना है कि मुंह की गंदगी की वजह से दिल की बीमारियां और शुगर जैसी परेशानियां भी बढ़ सकती हैं। इसलिए डेंटिस्ट को केवल दांतों का डॉक्टर समझना गलत होगा, वे हमारे पूरे शरीर की रक्षा करते हैं। विज्ञान की तरक्की की वजह से अब दांतों का इलाज बहुत आसान और दर्द रहित हो गया है। वह समय चला गया जब लोग डेंटिस्ट के पास जाने से डरते थे। अब ऐसी आधुनिक मशीनें और दवाएं आ गई हैं कि इलाज के दौरान दर्द का पता भी नहीं चलता। बच्चों के लिए तो डेंटिस्ट और भी जरूरी हैं। बचपन में दांतों की सही देखभाल ही आगे चलकर मजबूत और सीधे दांतों की बुनियाद बनती है। विशेषज्ञ बच्चों को खेल-खेल में ब्रश करने का सही तरीका सिखाते हैं, जो पूरी उम्र उनके काम आता है।

हमें इस गलतफहमी को भी दूर करना चाहिए कि डेंटिस्ट के पास जाना बहुत महंगा पड़ता है। हकीकत में, अगर हम समय-समय पर अपने दांतों की जांच करवाते रहें, तो बड़ी बीमारियों और महंगे इलाज की नौबत ही नहीं आएगी। दांत भगवान का दिया हुआ वह अनमोल तोहफा हैं जो एक बार चले जाएं, तो दोबारा असली जैसे नहीं मिल सकते। नकली दांत केवल काम चला सकते हैं, पर वे असली दांतों जैसी मजबूती कभी नहीं दे सकते। इसके साथ ही, हमें यह भी समझना होगा कि दांतों की सफेदी से ज्यादा उनकी मजबूती मायने रखती है। कई बार लोग विज्ञापनों के चक्कर में आकर घरेलू नुस्खों से दांत चमकाने की कोशिश करते हैं, जिससे दांतों की सुरक्षा परत घिस जाती है। एक अनुभवी डेंटिस्ट ही आपको सही सलाह दे सकता है कि आपके दांतों के लिए क्या अच्छा है और क्या बुरा।

आज के समय में डेंटिस्ट केवल क्लिनिक तक सीमित नहीं हैं, वे स्कूलों और गाँवों में जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। वे हमें सिखाते हैं कि रात को सोने से पहले ब्रश करना सुबह ब्रश करने से भी ज्यादा जरूरी है क्योंकि रात भर की गंदगी ही कीड़े लगने का असली कारण बनती है। एक अच्छी मुस्कान न केवल आपको जवान दिखाती है, बल्कि यह आपके पाचन तंत्र को भी मजबूत रखती है क्योंकि सही ढंग से चबाया हुआ खाना ही शरीर को पोषण देता है। हमें अपने डेंटिस्ट को अपना दोस्त समझना चाहिए और उनसे अपनी समस्याओं पर खुलकर बात करनी चाहिए। याद रखिए, एक छोटी सी लापरवाही भविष्य में बड़ा दर्द दे सकती है।

कुल मिलाकर, यह अवसर हमें यह संकल्प लेने का मौका देता है कि हम अपनी मुस्कान की कदर करेंगे। हमें डॉक्टरों की बताई गई बातों को मानना चाहिए, जैसे दिन में दो बार ब्रश करना, सही टूथपेस्ट का इस्तेमाल करना और हर कुछ महीनों में अपना ब्रश बदल देना। अखबारों और मीडिया को भी यह बात घर-घर तक पहुँचानी चाहिए कि अगर दांत स्वस्थ होंगे, तभी देश भी स्वस्थ होगा। आइए, आज के दिन अपने डेंटिस्ट से मिलें, अपनी जांच करवाएं और उन्हें उनकी निस्वार्थ सेवा के लिए धन्यवाद दें। जब आपकी मुस्कान स्वस्थ होगी, तभी आप जीवन का असली आनंद ले पाएंगे और खुलकर हंस पाएंगे।

दिलीप कुमार पाठक

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त खबरें

भारतीय समुद्री सीमा में मछली पकड़ते दो श्रीलंकाई मछुआरे गिरफ्तार

रामनाथपुरम, (एजेंसी) : भारतीय समुद्री सीमा में मछली पकड़ने के आरोप में भारतीय तटरक्षक बल ने श्रीलंका के दो मछुआरों को गिरफ्तार किया है। उनके द्वारा इस्तेमाल की जा रही नाव और मछली पकड़ने के उपकरण भी जब्त कर लिए गए हैं।

दरअसल, तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले के समुद्री क्षेत्र के रास्ते पड़ोसी देश श्रीलंका में बीड़ी पत्ते, हल्दी, सोना, चांदी और दवाइयों सहित कई वस्तुओं की अवैध तस्करी होती रही है। इसी प्रकार श्रीलंका के समुद्री क्षेत्र से भी रामनाथपुरम जिले के रास्ते विभिन्न सामान समय-समय पर अवैध रूप से भारत लाए जाते हैं। इसे रोकने के लिए भारतीय तटरक्षक बल समुद्री क्षेत्र में नियमित रूप से गश्त करता है।

इसी क्रम में गुरुवार को रामनाथपुरम जिले के समुद्री इलाके में तटरक्षक बल के जवान गश्त कर रहे थे। इस दौरान अरियमान समुद्र तट के पास एक नाव संदिग्ध स्थिति में खड़ी दिखाई दी। शक होने पर तटरक्षक बल के जवान उस नाव के पास पहुंचे और जांच के दौरान नाव में दो लोग मछली पकड़ते हुए मिले।

पूछताछ में उनकी पहचान श्रीलंका के जाफना निवासी अमलराज और राजकुमार के रूप में हुई। इसके बाद भारतीय समुद्री सीमा में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही उनकी नाव और मछली पकड़ने के जाल सहित अन्य उपकरण भी जब्त कर लिए गए।

गिरफ्तारी के बाद दोनों को रामनाथपुरम के मंडपम स्थित तटरक्षक बल के कैंप में ले जाया गया, जहां वरिष्ठ अधिकारियों ने उनसे गहन पूछताछ की। इसके बाद उन्हें आगे की जांच के लिए क्यू शाखा पुलिस के हवाले कर दिया गया।पुलिस अब यह जांच कर रही है कि दोनों सीमा पार कर मछली क्यों पकड़ रहे थे और क्या वे वास्तव में मछुआरे ही हैं या नहीं। मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने उनकी नाव के लाइसेंस और अन्य दस्तावेजों की भी जांच की है।

नितिन नवीन ने राज्यसभा के लिए भरा पर्चा, बोले- बांकीपुर की जनता के साथ आत्मीय संबंध आगे भी रहेगा जारी

पटना, (एजेंसी) : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के बांकीपुर से विधायक नितिन नवीन ने गुरुवार को राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता के साथ उनका आत्मीय संबंध आगे भी जारी रहेगा।

नामांकन के बाद नितिन नवीन ने एक्स पर भावुक संदेश पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि आज राज्यसभा के लिए नामांकन प्रस्तुत करते हुए मन स्वाभाविक रूप से उस लंबी यात्रा को याद कर रहा है, जिसे हमने आप सबके साथ मिलकर तय किया है। उन्होंने कहा कि पटना पश्चिम (बांकीपुर) की जनता ने उन्हें हाथ पकड़कर चलना सिखाया है। पिछले दो दशक से अधिक समय से आपने जो विश्वास और स्नेह दिया है, उसी के बल पर मुझे बिहार सरकार में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए राज्य और समाज की सेवा करने का अवसर मिला, जिसे मैंने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने का प्रयास किया है।

उन्होंने कहा, चाहे श्रीरामनवमी की भव्य शोभायात्रा की तैयारियां हों, आस्था के पर्वों की व्यवस्था हो या बांकीपुर के विकास से जुड़े संकल्प, हर कदम पर मैंने स्वयं को आप सबके विश्वास का प्रतिनिधि मानकर कार्य किया है।

आज राज्यसभा के लिए नामांकन करते हुए मन में वही जिम्मेदारी और सेवा का संकल्प है। मैं विश्वास दिलाता हूँ कि बांकीपुर की जनता के साथ मेरा यह आत्मीय संबंध आगे भी इसी विश्वास और समर्पण के साथ बना रहेगा। हम सब मिलकर विकसित बिहार के संकल्प को आगे बढ़ाते रहेंगे। आपका विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है।उल्लेखनीय है कि राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन करने वालों में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा शामिल हैं। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे।

उत्तर बंगाल की चाय बागानों के लिए केंद्र सरकार जल्द लाएगी व्यापक पैकेज: जितिन प्रसाद

कोलकाता, (एजेंसी) : केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार जल्द ही उत्तर बंगाल के चाय बागानों के लिए एक व्यापक पैकेज लाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने यह बात जालपाईगुड़ी जिले के चाय बागानों का दौरा करने के बाद कही।जितिन प्रसाद ने बताया कि केंद्र सरकार चाय उद्योग से जुड़ी मौजूदा समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि उनका उत्तर बंगाल दौरा इसी उद्देश्य से है, ताकि चाय उद्योग की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके और कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हो सके।उन्होंने कहा कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन चाय बोर्ड कार्य करता है और मंत्रालय इस बात पर भी विचार कर रहा है कि भारतीय चाय के निर्यात को कैसे बढ़ाया जाए। उन्होंने बताया कि देश में चाय की मांग काफी मजबूत है और गुणवत्ता में सुधार के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार किया जा रहा है।राज्य मंत्री ने कहा कि बदलते मौसम के पैटर्न और नए चाय बागानों में जलभराव जैसी समस्याओं के कारण उद्योग को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा श्रमिकों से जुड़े मुद्दे भी उद्योग के सामने महत्वपूर्ण चुनौती हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार चाय उद्योग के लिए एक व्यापक पैकेज तैयार कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि राज्य सरकार इस दिशा में सहयोग करती है, तो यह पहल और अधिक प्रभावी साबित हो सकती है। केंद्र को उम्मीद है कि राज्य सरकार का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे उद्योग को नई ऊर्जा मिल सकेगी। दरअसल, उत्तर बंगाल का चाय उद्योग क्षेत्र की सबसे प्रमुख औद्योगिक इकाइयों में से एक है और यह हजारों लोगों के रोजगार का प्रमुख स्रोत है।

कर्नाटक में बेंगलुरु समेत कई जिलों में लोकायुक्त का छापा

बेंगलुरु, (एजेंसी) : भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपों के तहत कर्नाटक लोकायुक्त के अधिकारियों ने गुरुवार सुबह राज्य के विभिन्न जिलों में एक साथ छापेमारी की। राजधानी बेंगलुरु सहित मंड्या, धारवाड़, हासन, मैसूरु, विजयपुरा और यादगिरि जिलों में कई अधिकारियों के घरों और दफ्तरों में तलाशी अभियान शुरू किया।बेंगलुरु शहर में चार स्थानों पर कार्रवाई की गई। केआरआईडीएल के मुख्य अभियंता वसंत वी. नायक, बीडीए क्षेत्र के आरएफओ डालेश तथा रायत सेवा सहकारी संघ के सीईओ शशिधर के आवास और कार्यालयों में दस्तावेजों की जांच की गई।

यादगिरि के विद्युत विभाग के उप विद्युत निरीक्षक वीरेश हिरेमठ, मंड्या लोक निर्माण विभाग के उपखंड एएई एस. सतीश, धारवाड़ के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के तालुका पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एम.के. सुरकोड के घरों पर भी छापे डाले गए।हासन नगर पालिका के एएई एम.सी. सत्यनारायण, मैसूरु के जल भवन स्थित कर्नाटक शहरी जल आपूर्ति और जल निकासी बोर्ड के एएई और ईई आसिफ इकबाल तथा विजयपुरा की कृष्णा भाग्य जल निगम लिमिटेड में कार्यरत कनिष्ठ अभियंता प्रकाश पी.जी. के आवासों पर भी तलाशी जारी है।लोकायुक्त अधिकारियों द्वारा बैंक खातों का विवरण, चल-अचल संपत्ति से जुड़े दस्तावेज और वित्तीय लेन-देन की जानकारी जुटाई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के आधार पर आय से अधिक संपत्ति और भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए यह कार्रवाई की गई है। इसी दौरान हासन नगर पालिका के एएई एम.सी. सत्यनारायण द्वारा दरवाजा नहीं खोलने की घटना भी सामने आई। बाद में स्थानीय पुलिस की सहायता से दरवाजा खुलवाकर तलाशी अभियान आगे बढ़ाया गया।

मशहूर हस्तियों की मौजूदगी में हुई अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक की शादी

मुंबई, (एजेंसी) : भारत रत्न और मशहूर क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी मशहूर हस्तियों की मौजूदगी में गुरुवार को मुंबई में सानिया चंडोक के साथ हो गई। शादी समारोह के बाद फिल्म जगत के सुपरस्टार अमिताभ बच्चन पत्नी जया बच्चन के साथ उपस्थित थे। अर्जुन और सानिया की शादी से जुड़ीं रस्में पिछले कुछ दिनों से शुरू हो गई थीं। हल्दी सेरेमनी और मेहंदी सेरेमनी बड़ी धूमधाम से हुई थी। आज दोपहर में करीब 12.45 बजे अर्जुन-सानिया परिणय सूत्र में बंध गए। इस मौके पर सचिन तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजलि तेंदुलकर पास में खड़े थे। सचिन ने सिल्वर शेरवानी पहनी हुई थी, जबकि अंजलि ने गुलाबी साड़ी पहनी हुई थी। दोनों बहुत खुश लग रहे थे।

अर्जुन और सानिया ने एक-दूसरे को माला पहनाई। बाद में उन पर फूल बरसाए गए। इस शादी समारोह में खिलाडि़यों से लेकर नेताओं तक वर्ली के फाइव स्टार होटल में शामिल हुए। इस शादी की रस्मों में अजिंक्य रहाणे, अनिल कुंबले, अजीत अगरकर, सुप्रिया सुले, राज ठाकरे, सुनील गावस्कर, शंकर महादेवन, फरहान अख्तर, युवराज सिंह, शायना एनसी, जहीर खान, महेंद्र सिंह धोनी, आशीष नेहरा, श्रेयस अय्यर, इरफान पठान, शाहरुख खान भी मौजूद थे। इस सेरेमनी में कई सेलिब्रिटीज ने कैमरे के सामने पोज दिए।

ओडिशा राज्यसभा चुनाव: भाजपा उम्मीदवार और दिलीप राय ने नामांकन पत्र भरा

भुवनेश्वर, (एजेंसी) : भाजपा के उम्मीदवार मनमोहन सामल और सुजीत कुमार के साथ वरिष्ठ नेता दिलीप राय ने गुरुवार को ओडिशा में आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन भरा।

नामांकन ओडिशा विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, राज्य सरकार के मंत्री तथा अन्य वरिष्ठ भाजपा की मौजूदगी में किया गया।

दिलीप राय ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया, जिसमें उन्हें भाजपा का समर्थन प्राप्त है। वे बीजू जनता दल बीजेडी के उम्मीदवार डॉ. दत्तेश्वर होता के खिलाफ चौथे राज्यसभा पद के लिए चुनाव लड़ेंगे। चुनाव 16 मार्च को होने वाले हैं।

नामांकन दाखिल करने से पहले, दिलीप राय ने अपने मेंटर और महान नेता बीजू पटनायक को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने उम्मीद जताई कि भले ही उनके पक्ष में आवश्यक 30 प्रथम पसंद मत न हों, वे विजयी होंगे। उन्होंने 2002 में क्रॉस वोटिंग के माध्यम से राज्यसभा की सीट जीतने का उदाहरण भी याद दिलाया।

भाजपा द्वारा राय को खुले समर्थन देना एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जिससे पार्टी ओडिशा की चार राज्यसभा सीटों में से तीन सुरक्षित कर सके। वर्तमान विधानसभा संख्या के अनुसार भाजपा दो सीटें आराम से जीतने की स्थिति में है, जबकि बीजेडी को एक सीट मिलने की संभावना है।

असम राज्यसभा चुनाव: तीन सीटों के लिए भाजपा व गठबंधन के उम्मीदवारों ने दाखिल किए नामांकन

गुवाहाटी, (एजेंसी) : असम की खाली होने वाली तीन राज्यसभा सीटों के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेतृत्वाधीन गठबंधन के तीन उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया।भाजपा की ओर से कैबिनेट मंत्री योगेन महन और दुलियाजान विधानसभा क्षेत्र के विधायक तेरेस ग्वाला ने नामांकन पत्र जमा किया। वहीं तीसरी सीट के लिए भाजपा गठबंधन के सहयोगी दल यूपीपीएल (यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल) के अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो ने नामांकन दाखिल किया।

नामांकन दाखिल करने के दौरान केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, उनके मंत्रिमंडल के सदस्य तथा गठबंधन सहयोगी दलों असम गण परिषद (अगप), यूपीपीएल और भाजपा के कई नेता उपस्थित रहे।किसी अन्य दल की ओर से उम्मीदवार सामने नहीं आने के कारण माना जा रहा है कि भाजपा गठबंधन के ये तीनों उम्मीदवार बिना प्रतिद्वंद्विता राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो सकते हैं।दरअसल, 9 अप्रैल को असम के तीन राज्यसभा सांसदों भुवनेश्वर कलिता, अजीत कुमार भुइयां और रामेश्वर तेली का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। इनमें से दो सीटें वर्तमान में भाजपा के पास हैं, जबकि एक सीट विपक्ष के पास है।उल्लेखनीय है कि राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 5 मार्च है। बिहार सहित 10 राज्यों की कुल 37 राज्यसभा सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव निर्धारित है। इनमें महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6, बिहार और पश्चिम बंगाल की 5-5, ओडिशा की 4, असम की 3, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और हरियाणा की 2-2 तथा हिमाचल प्रदेश की 1 सीट शामिल है।

हालांकि, 9 मार्च को नामांकन वापसी की अंतिम तिथि के बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि असम में मतदान की आवश्यकता पड़ेगी या नहीं। यदि किसी सीट पर मुकाबला नहीं होता है, तो उम्मीदवारों को बिना मतदान के ही निर्वाचित घोषित किया जा सकता है।

राज्यसभा चुनाव 2026: तृणमूल नेताओं ने दाखिल किया नामांकन, भाजपा के राहुल सिन्हा ने भी भरा पर्चा

कोलकाता, (एजेंसी) : राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों ने गुरुवार को आधिकारिक रूप से अपने नामांकन पत्र दाखिल कर दिए। पार्टी की ओर से अभिनेत्री कोएल मलिक, वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी, पूर्व पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार और मंत्री बाबुल सुप्रियो को उम्मीदवार बनाया गया है। नामांकन के साथ ही राज्य की राजनीति में उच्च सदन को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है।

तृणमूल कांग्रेस की ओर से घोषित उम्मीदवारों में बाबुल सुप्रियो पूर्व केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं और वर्तमान में पश्चिम बंगाल सरकार में सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के कैबिनेट मंत्री हैं। राजीव कुमार राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक रहे हैं। मेनका गुरुस्वामी संवैधानिक मामलों की विशेषज्ञ वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में जानी जाती हैं, जबकि कोएल मलिक बंगाली फिल्म उद्योग की प्रमुख अभिनेत्री हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन नामों के जरिए तृणमूल ने राजनीतिक, प्रशासनिक, विधिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों का संतुलन साधने की रणनीति अपनाई है।

इसी दौरान भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार राहुल सिन्हा भी पश्चिम बंगाल विधानसभा पहुंचे और अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि उनकी उम्मीदवारी यह संदेश देती है कि पार्टी अपने समर्पित कार्यकताओं को उचित समय पर सम्मान देती है। उन्होंने बंगाल के कल्याण और विकास के लिए सामूहिक प्रयास की बात दोहराई। उल्लेखनीय है कि 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव के तहत मतदान 16 मार्च को होगा और मतगणना भी उसी दिन की जाएगी। परिणाम शाम 5 बजे घोषित किए जाने की संभावना है। महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना सहित विभिन्न राज्यों से निर्वाचित 37 सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो रहा है, जिससे ये सीटें रिक्त होंगी।

नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 05 मार्च थी। 06 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच होगी और उम्मीदवार 09 मार्च तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। निर्धारित समयसीमा के बीच चुनाव आयोग की निगरानी में पूरी प्रक्रिया संपन्न की जाएगी।

हिमाचल राज्यसभा चुनाव: कांग्रेस उम्मीदवार अनुराग शर्मा का निर्विरोध चुना जाना तय, भाजपा ने नहीं उतारा उम्मीदवार

शिमला, (एजेंसी) : हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा चुनाव इस बार एकतरफा रहेगा। कांग्रेस उम्मीदवार अनुराग शर्मा ने गुरुवार को विधानसभा सचिवालय में अपना नामांकन दाखिल कर दिया। नामांकन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री और कई मंत्री व विधायक मौजूद रहे।अनुराग शर्मा के मैदान में अकेले उम्मीदवार होने से उनका निर्विरोध चुना जाना लगभग तय है। भाजपा ने नामांकन के आखिरी दिन इस चुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारा है। ऐसे में अब औपचारिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनके चुने जाने की घोषणा हो सकती है।

68 सदस्यीय हिमाचल विधानसभा में कांग्रेस के पास 40 विधायक हैं, जबकि भाजपा के 28 सदस्य हैं। संख्या बल के हिसाब से भी कांग्रेस की स्थिति मजबूत है। हालांकि इस बार मुकाबला होने की नौबत ही नहीं आई।

यह सीट भाजपा की राज्यसभा सांसद इंदू गोस्वामी का छह साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद खाली हुई है। खास बात यह है कि इंदू गोस्वामी भी कांगड़ा जिले से थीं और कांग्रेस उम्मीदवार अनुराग शर्मा भी कांगड़ा से आते हैं। इस तरह लगातार दूसरी बार राज्यसभा में कांगड़ा जिले का प्रतिनिधि जाएगा।

राज्यसभा चुनाव के लिए डीएमके के चार और एआईएडीएम के दो उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र किया दाखिल

चेन्नई, (एजेंसी) : तमिलनाडु से छह राज्यसभा सीटों के लिए हो रहे चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के चार और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईडीएमके) के दो उम्मीदवारों ने गुरुवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है।दरअसल, तमिलनाडु सहित पूरे देश में खाली हो रही 37 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव की तारीख घोषित कर दी गई है। राज्यसभा में तमिलनाडु के लिए कुल 18 सीटें हैं। इनमें से रोटेशन प्रणाली के तहत हर ढाई साल में 6 सीटों के लिए चुनाव होता है। इस बार तमिलनाडु से तिरुचि शिवा, एनआर इलंगो, अंथियूर सेल्वराज, एनवीएन कनिमोझी सोमू, एम थंबीदुरई और जीके वासन का कार्यकाल 2 अप्रैल को समाप्त हो रहा है। इन खाली होने वाली सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया 26 फरवरी से शुरू हो चुकी है। आज नामांकन का अंतिम दिन है।

राज्यसभा चुनाव में एक सदस्य के चुनाव के लिए 34 विधायकों के वोट की आवश्यकता होती है। मौजूदा स्थिति में डीएमके को चार और एआईएडीएमके को दो सीटें मिलने की संभावना है। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए डीएमके और एआईएडीएम दोनों अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर चर्चा कर रहे हैं। इस दौरान कुछ सहयोगी दलों ने राज्यसभा सीट की भी मांग की थी, जिसके कारण उम्मीदवारों की घोषणा में कुछ कठिनाई आई।

आज नामांकन का अंतिम दिन होने के कारण दोनों दलों ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी और सीटों का बंटवारा भी तय कर लिया। डीएमके को मिली चार सीटों में से एक सीट पार्टी के उपमहासचिव तिरुचि शिवा को दी गई है। वहीं डीएमके के प्रवक्ता कॉनस्टैन्टाइन रविंद्रन को भी इस बार उम्मीदवार बनाया गया है। बाकी दो सीटों में से एक देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम और एक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को दी गई है। डीएमके के तिरुचि शिवा और कॉनस्टैन्टाइन रविंद्रन ने आज नामांकन दाखिल किया है। इसके अलावा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के क्रिस्टोफर तिलक और देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम के एलके सुधीश ने भी मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल किया।

एआईएडीएमके ने दो सीटों में से एक पर पार्टी के प्रचार सचिव एम. थंबीदुरई को मौका दिया गया है, जबकि दूसरी सीट पट्टाली मक्कल काची के नेता अनबुमणि रामदास को दी गई है। दोनों ने आज सचिवालय में चुनाव अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन पत्रों की जांच 6 मार्च को होगी और 9 मार्च तक नाम वापस लेने की अंतिम तिथि है। यदि चुनाव की आवश्यकता पड़ी तो 16 मार्च को मतदान होगा। हालांकि मैदान में केवल 6 उम्मीदवार होने के कारण सभी के निर्विरोध राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने की संभावना है।

06-03-2026 T.P. Page 8_Layout 1 06-03-2026 08:12 Page 1

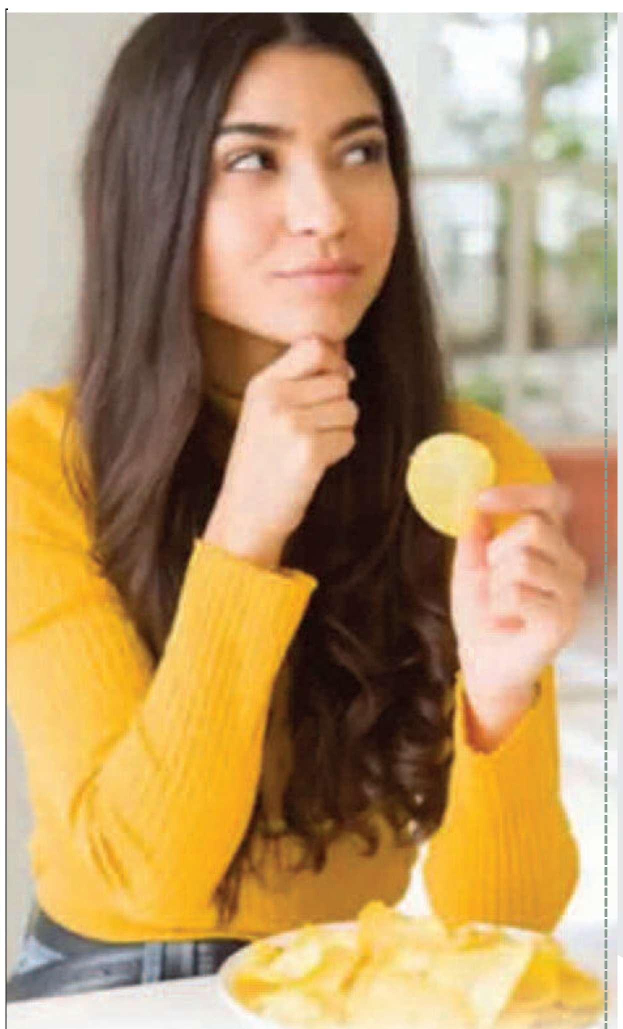

नवरात्र में व्रत रखने के साथ-साथ सेहत का ध्यान रखना भी जरूरी

नवरात्र में नौ दिन के व्रत में सामान्यत- फलाहार लिया जाता है। कुछ लोग केवल एक वक़्त खाते हैं और कुछ फलाहार के चलते सामान्य दिनों के मुकाबले अधिक असंतुलित आहार लेने लगते हैं। इससे शरीर को पोषण तो नहीं मिलता, लेकिन कैलोरी, वसा और शर्करा की मात्रा ज़रूर बढ़ जाती है। इसी तरह लंबे अंतराल के बाद जब कुछ खाते हैं तो

कि किन खाद्यों के सेवन से आप अपने व्रत को स्वास्थ्य की दृष्टि से भी सार्थक बना सकते हैं...

पर्याप्त तरल पदार्थ

व्रत के दौरान शरीर को हाइड्रेटेड रखना भी ज़रूरी है। पर्याप्त मात्रा में पानी तो पीना ही है, साथ में अन्य तरल पदार्थ जैसे नींबू का जूस या शिकंजी और नारियल पानी भी पिएं। फलों का रस ले सकते हैं लेकिन छाने बिना यानी कि जिसमें फल के रेशे भी हों। फलों के रस के साथ-साथ फाइबर भी मिलेगा जो कि भोजन को पचाने के लिए बहुत ज़रूरी है। तरल पदार्थ से शरीर को ज़रूरी विटामिन और खनिज मिलेंगे। फाइबर युक्त भोजन लेने की दूसरी वजह यह भी है कि व्रत के दरमियान कम भोजन ग्रहण करने से कब्ज़ की समस्या हो सकती है। इसलिए

लोग ले सकते हैं जिन्हें फल खाना पसंद नहीं या चबा नहीं सकते। यह भी ध्यान रखें कि जूस घर का बना ही पीना है।

खानपान की सलाह

कम होती है और पोषक तत्वों की मात्रा अधिक होती है। इसी तरह कम वसा युक्त दही, लस्सी और छाछ ले सकते हैं। तेल की बहुत कम मात्रा में भुनी हुई मूंगफली, कुट्टू के आटे की रोटियां ले सकते हैं। कम तेल या घी में बने हुए फलाहारी आलू, साबूदाना खिचड़ी या टिक्की ले सकते हैं। तेल में तली हुई टिक्कियां खाने से बचें। आलू के बजाय लौकी की सब्ज़ी और हलवा (कम घी में) ले सकते हैं। सबसे ज़रूरी बात, व्रत के दौरान घर का बना शुद्ध भोजन ही खाएं।

फल-सब्जियां लें

व्रत में फल और सब्ज़ियों के सलाद का सेवन कर सकते हैं। एक या

पर्याप्त मात्रा ले सकते हैं। गैर मौसमी फल, जैसे तरबूज़, ख़रबूज़, संतरे आदि का सेवन बिल्कुल न करें। वहीं सब्ज़ियों में खीरा, टमाटर, चुकंदर, हरा धनिया और शकरकंद आदि पर सेंधा नमक और काली मिर्च पाउडर डालकर खाया जा सकता है।

थोड़ा-थोड़ा खाएं

ऐसे कई लोग हैं जो व्रत के दौरान दिनभर कुछ नहीं खाते, और जब खाते हैं तो भूख से अधिक खा लेते हैं, जैसे कि एक प्लेट भरकर फलाहारी आलू, सिंघाड़े का हलवा, थोड़े-से आलू के चिप्स और एक गिलास दूध। इससे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचेगा और वज़न भी बढ़ेगा। एक-साथ खाने के बजाय बेहतर है कि आप दिनभर में तीन-चार बार थोड़ा-थोड़ा खाएं।

शरीर को आराम दें

इस दौरान खानपान में बदलाव होने के कारण आपके दिमाग़ और शरीर को खानपान के पैटर्न को समझने में समय लगेगा। इस स्थिति में थोड़ा आलस्य महसूस हो सकता है या चिड़चिड़ाहट हो सकती है। बेहतर होगा कि समय-समय पर आराम करें। रात को जल्दी सोएं और भरपूर नींद लें। यदि दफ़्तर में हैं तो दिमाग़ और शरीर को अधिक मेहनत न कराएं।

दिवाली की तैयारी कई महीनों पहले से ही शुरू हो जाती है। अमूमन महिलाएं दिवाली से पहले अपने घर के कोने-कोने की सफाई कंप्लीट कर लेना चाहती हैं। यूं तो हम सभी अपने घर को समय-समय पर साफ करते हैं, लेकिन दिवाली के अवसर पर घर के हर कोने को साफ किया जाता है।

दिवाली पर आपकी क्लीनिंग को बेहद आसान बनाएंगे ये गैजेट्स

दिवाली वर्ष में एक बार आने वाला ऐसा त्योहार होता है, जिसकी तैयारी कई महीनों पहले से ही शुरू हो जाती है। अमूमन महिलाएं दिवाली से पहले अपने घर के कोने-कोने की सफाई कंप्लीट कर लेना चाहती हैं। यूं तो हम सभी अपने घर को समय-समय पर साफ करते हैं, लेकिन दिवाली के अवसर पर घर के हर कोने को साफ किया जाता है। अगर आप दिवाली की सफाई बिना किसी परेशानी के बेहद ही आसान तरीके से करना चाहती हैं तो इन गैजेट्स की मदद ले सकती हैं। हालांकि, ऐसा करने में बहुत अधिक समय व मेहनत खर्च करना पड़ता है। कई बार महिलाओं का बहुत अधिक समय दिवाली की सफाई करने में ही खर्च हो जाता है। लेकिन अगर आप अपने समय व मेहनत को बचाना चाहती हैं तो कुछ गैजेट्स को खरीद सकती हैं। यह क्लीनिंग गैजेट्स आपके घर की सफाई के काम को ना केवल आसान बनाते हैं, बल्कि इससे आपको अधिक बेहतर रिजल्ट भी मिलते हैं।

खरीदें स्क्रीन क्लीनिंग ब्रश

यह एक मल्टीफ़ंक्शनल स्क्रीन ब्रश होता है, जिसकी मदद से आप ग्लॉस, खिड़कियों, काउंटरटॉप आदि कई जगहों की बेहद आसानी से सफाई कर सकती हैं। आप इसे लिंट ब्रश के रूप में भी उपयोग कर सकती हैं और अपने कपड़े, सोफे आदि से धूल और बालों को हटा सकते हैं। इसकी खासियत यह है कि इसे गीला व व सूखा दोनों तरह से इस्तेमाल किया जाता है। धूल हटाने की सफाई इसे सूखा उपयोग करें, वहीं विंडो क्लीन करने के लिए इसे गीला इस्तेमाल करें।

खरीदें माइक्रोफाइबर फैन क्लीनिंग डस्टर

यह एक बेहद ही काम का प्रोडक्ट है, जो दिवाली की क्लीनिंग के दौरान आपके बेहद ही काम आने वाला है। यह वास्तव में एक फैन क्लीनिंग डस्टर है, लेकिन आप इससे सिर्फ फैन ही नहीं, बल्कि अपने घर के कई कोनों को आसानी से साफ कर सकती है। फर्श की सफाई करने से लेकर आप झूमर, दीवारें व कई ऐसी जगहों को क्लीन कर सकती हैं, जिसे हाथों की मदद से साफ करना काफी कठिन है। माइक्रोफाइबर फैब्रिक के उपयोग के कारण आपको अधिक बेहतर रिजल्ट मिलता है।

खरीदें शॉवर हेड क्लीनिंग ब्रश

दिवाली की सफाई के दौरान बाथरूम को साफ करना काफी मुश्किल होता है और इसमें काफी वक्त भी लगता है। मसलन, अगर आप शॉवर हैड को क्लीन करते हैं तो उसके छोटे-छोटे छेदों को साफ करना यकीनन एक टफ टास्क है। ऐसे में आप शॉवर हेड क्लीनिंग ब्रश का इस्तेमाल करें। इसके ब्रश ऐसे होते हैं जो उन छोटे छेदों को अनक्लॉग करके उसे अच्छी तरह साफ करने में आपकी मदद करते हैं। हालांकि, इस ब्रश की मदद से आप शॉवर हेड के अलावा अपना फोन या घर की टैप आदि को भी साफ कर सकती हैं।

खरीदें इलेक्ट्रिक स्पिन स्क्रबर

दिवाली पर जब महिलाएं अपने घर को साफ करना शुरू करती हैं तो वह हर कोने को साफ करने के लिए उसे अच्छी तरह रगड़ती हैं। जिसके कारण उनके हाथों से लेकर कमर तक में दर्द हो जाता है। लेकिन अगर आप इस दिवाली इलेक्ट्रिक स्पिन स्क्रबर खरीदती हैं तो आपको अपने घर को रगड़ने की मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। आप अपने फर्श से लेकर दीवारों, शॉवर, बाथटब, किचन आदि जगहों पर इस इलेक्ट्रिक स्पिन स्क्रबर का इस्तेमाल करें। यह कुछ ही मिनटों में उस जगह को एकदम से चमका देगा।

बाजार से परफ्यूम क्यों खरीदना ? बस इन एसेंशियल ऑयल का करें इस्तेमाल

गुलाब के फूलों की खुशबू से बेहतर दूसरी खुशबू शायद ही कोई और हो। इसलिए आप रोज एसेंशियल ऑयल को बतौर परफ्यूम इस्तेमाल करें। इसकी महक काफी तेज होती है, इसलिए आपको इस तेल का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से करना चाहिए। एक बूंद आपको प्यारी महक देगी।

हम सभी अपनी डे टू डे लाइफ में तरह-तरह के परफ्यूम का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। इनकी महक आपको एक फील गुड देता है। लेकिन कई लोगों को परफ्यूम के इस्तेमाल के कारण परेशानी होती है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप एसेंशियल ऑयल को ही परफ्यूम की तरह इस्तेमाल करें। यह ना केवल आपको पूरा दिन महकाने में मदद करेंगे, बल्कि आपको अन्य भी कई लाभ मिलेंगे। कई परफ्यूम में फ़ेथलेट्स जैसे हानिकारक सिंथेटिक तत्व होते हैं, वहीं दूसरी ओर एसेंशियल ऑयल सिंथेटिक नहीं होते हैं और इनमें वास्तव में उपचार गुण हो सकते हैं।

जैसमीन एसेंशियल ऑयल

जैसमीन एसेंशियल ऑयल एक ऐसा ऑयल है, जिसे परफ्यूम के रूप में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। यह महंगा है, लेकिन किसी खास अवसर के लिए इसे इस्तेमाल किया जा सकता है। इस तेल में एक मीठी, फूलों की सुगंध है जो आपको ऐसा महसूस कराएगी कि आप चमेली के बगीचे से गुजर रहे हैं। चमेली के तेल में अपनी मादक सुगंध के अलावा चिंता को कम करने की क्षमता भी होती है। तो ऐसे में आप खुद को तनावमुक्त रखने के लिए भी इसके इस्तेमाल पर विचार कर सकते हैं।

रोज एसेंशियल ऑयल

गुलाब के फूलों की खुशबू से बेहतर दूसरी खुशबू शायद ही कोई और हो। इसलिए आप रोज एसेंशियल ऑयल को बतौर परफ्यूम इस्तेमाल करें। इसकी महक काफी तेज होती है, इसलिए आपको इस तेल का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से करना चाहिए। एक बूंद आपको प्यारी महक देगी।

इलंग इलंग एसेंशियल ऑयल

इलंग इलंग एसेंशियल ऑयल इलंग इलंग फूलों से बनाया जाता है। इसकी सुगंध काफी आनंददायक होती हैं। यह आपको एक खुशनुमा अहसास करवाती है। अगर आप चाहें तो इसे भी बतौर परफ्यूम इस्तेमाल करने पर विचार कर सकते हैं। इसकी खुशबू काफी रोमांटिक होती है। इंडोनेशिया में तो नवविवाहितों के पलंगों के ऊपर इलंग इलंग के फूल बिछाए जाते हैं।

फलाहार के नए स्वाद

स्टफ्ड साबूदाना बड़ा, मीठे में पान की मिठाई और फलों का श्रीखंड बनाएं

नवरात्र में व्रत के दौरान फलाहार को लेकर अक्सर असमंजस बना रहता है कि हर रोज़ ऐसा क्या बनाएं, जो स्वाद में नयापन लिए हो और सेहत के लिहाज़ से भी ठीक हो। आपकी इस मुश्किल को दूर करने के लिए हम नौ दिनों के लिए नौ ख़ास रेसिपी यहां प्रस्तुत कर रहे हैं। इन्हें तैयार करने में समय भी कम लगेगा और व्रत में नया फलाहार भी मिलेगा।

स्टफ्ड साबूदाना वड़ा

क्या चाहिए

दही- 5 बड़े चम्मच (हंग कर्ड), जीरा पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, आलू- 4 मध्यम आकार के उबले हुए, साबूदाना- 1 कप (6-8 घंटे पानी में

मूंगफली- 1/2 कप दरदरी पिसी, हरा धनिया- आवश्यकतानुसार, सेंधा नमक- स्वादानुसार, काली मिर्च पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच। भरावन के लिए- दही- 5 बड़े चम्मच (हंग कर्ड), जीरा पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, सेंधा नमक- स्वादानुसार।

ऐसे बनाएं

बोल में आलुओं को मसल लें। इसमें साबूदाना, हरी मिर्च, हरा धनिया, सेंधा नमक, काली मिर्च पाउडर, अमचूर पाउडर और मूंगफली डालकर गूंध लें। अलग बोल में भरावन की सामग्री मिला

भरावन भरें। वड़े को बंद करके गर्म तेल में सुनहरा भूरा होने तक तल लें। साबूदाना वड़े को चटनी के साथ परोसें।

पान की मिठाई

क्या चाहिए

मिल्क पाउडर- 6 बड़े चम्मच, आइसिंग शुगर- 1 बड़ा चम्मच, खाने वाला नारियल तेल- 5 बड़े चम्मच, गुलकंद- 1 बड़ा चम्मच, पान का

लिए- फूल के आकार का सिलिकॉन सांचा।

ऐसे बनाएं

मिक्सिंग जार में मिल्क पाउडर, आइसिंग शुगर, नारियल तेल, गुलकंद और पान का पत्ता डालकर पीस लें। अब सांचे में पहले 4-5 टूटी फ्रूटी डालें फिर थोड़ा पिसा हुआ मिश्रण डालकर अच्छी तरह से दबा दें। मिश्रण भरे सांचे को फ्रिज में रखें और आधे घंटे बाद निकालें। अब हल्के हाथों से सांचे को दबाते हुए मिठाई को बाहर निकाल लें। इसे सामान्य तापमान में लाकर या ठंडा ही सर्व करें।

समा चावल फिरनी

क्या चाहिए

समा के चावल- 1/4 कप, दूध- 500 मिली, शक्कर- स्वादानुसार, बादाम और काजू- 1/2-1/2 बड़ा चम्मच कटे हुए, पिस्ता- 1 छोटा चम्मच कटा हुआ, इलायची पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, अनन्नास के टुकड़े- 1/4 कप, केसर- 5-6 धागे।

ऐसे बनाएं

कड़ाही में दूध उबलने रखें। एक-दो उबाल आने पर समा के चावल

जब तक कि वो गाढ़ी न हो जाए। चावल पकने के बाद आख़िर में

काजू, पिस्ता और इलायची पाउडर डालकर मिलाएं। फिरनी को ठंडा करके अनन्नास के टुकड़े डालकर परोसें।

पनीर-केला रोल्स

क्या चाहिए

पनीर- 200 ग्राम, हरी मिर्च- 3 बारीक कटीं, नमक- स्वादानुसार, काली मिर्च- 1/4 छोटा चम्मच, हरा धनिया- ज़रूरत के अनुसार। लपेटने के लिए- कच्चे केले- 1-2, लौंग- 8-10, तेल- 2 बड़े चम्मच। सलाद के लिए- गाजर- 2 किसी हुई, ऑलिव ऑयल- 1 बड़ा चम्मच, तिल- 1/2 छोटा चम्मच, काली मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, नमक- स्वादानुसार।

ऐसे बनाएं

कच्चे केले को छीलकर उसकी लंबी स्लाइस काट लें। इन स्लाइस को पैन में एक चम्मच तेल डालकर शैलो फ्राय करें। इन्हें टिशू पेपर

लें फिर इसमें हरी मिर्च, हरा धनिया, नमक और काली मिर्च पाउडर मिला दें। पनीर की छोटी-छोटी बॉल्स बना लें और केले की स्लाइस से लपेटकर उनमें लौंग लगा दें, ताकि ये खुलें नहीं। अब इन पनीर रोल्स को पैन में एक चम्मच तेल डालकर दोनों तरफ़ से सुनहरा होने तक शैलो फ्राय करें। सलाद बनाने के लिए कद्दूकस की हुई गाजर में नमक, काली मिर्च पाउडर, तिल और ऑलिव ऑइल मिलाएं। प्लेट में गाजर का सलाद और पनीर-केला रोल्स रखकर परोसें।